website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 02 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 13 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

जनगणना पर मोदी सरकार का बड़ा फैसला - 11,718 करोड़ का बजट मंजूर, किसानों की भी बल्ले-बल्ले

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार (12 दिसंबर 2025) को हुई कैबिनेट बैठक में तीन बड़े फैसले लिए गए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेंसस 2027, कोल सेक्टर रिफॉर्म और किसानों के MSP पर महत्वपूर्ण मंजूरियां दी गई हैं। उन्होंने कहा, "सेंसस 2027 के लिए 11,718 करोड़ का बजट पास हुआ है। कोल यानी एनर्जी सेक्टर में बड़ा रिफॉर्म किया गया है और किसानों के हित में भी अहम फैसला लिया गया है।"

'भारत में होगी पहली डिजिटल जनगणना'

अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि 2027 की जनगणना देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी।

उन्होंने बताया कि यह दो चरणों में होगी— पहला चरण (1 अप्रैल–सितंबर 2026): हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस, दूसरा चरण (फरवरी 2027): जनसंख्या गणना, उन्होंने कहा, "पहली बार सेंसस डिजिटल होगा। मोबाइल एप्लीकेशन से डेटा इकट्ठा किया जाएगा जो हिंदी, इंग्लिश और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होगा। डिजाइन पूरी तरह डेटा सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है।"

'सेंसस में जाति बताना जरूरी नहीं'

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सेंसस को लेकर जल्द ही गजट नोटिफिकेशन जारी होगा जिसमें जाति संबंधी दिशा-निर्देश स्पष्ट होंगे।

उन्होंने कहा, "जाति बताना अनिवार्य नहीं है। कोई चाहे तो अपनी जाति न बताने का विकल्प चुन सकता है।" सरकार ने यह भी स्पष्ट किया: सिर्फ एग्रीगेटेड डेटा पब्लिश होगा, माइक्रो डेटा पब्लिश नहीं किया जाएगा, डेटा प्रोटेक्शन मानकों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है

कोल उत्पादन को लेकर सरकार का बड़ा फैसला

कैबिनेट ने कोयले की नीलामी के लिए नई व्यवस्था 'कोल सेतु' को मंजूरी दी है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा, "कोल सेतु के जरिए भारत कोल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने जा रहा है। इससे इंपोर्ट पर निर्भरता कम होगी और देश 60,000 करोड़ रुपये बचा रहा है।"

मुख्य बातें— 2024-25 में 1 बिलियन टन कोल प्रोडक्शन, रेल और कोल सेक्टर को "मजबूत पार्टनर" बताया, घरेलू पावर प्लांट्स में रिकॉर्ड हाई कोल स्टॉक

किसानों को लेकर मोदी सरकार का बड़ा फैसला

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 2026 के लिए खोपरा (Copra) का न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) बढ़ा दिया गया है। नई दरें— पिसाई वाला खोपरा: ₹12,027 प्रति क्विंटल, गोल खोपरा: ₹12,500 प्रति क्विंटल इसके लिए NAFED और NCCF नोडल एजेंसियां होंगी।

तेज प्रताप यादव का बड़ा ऐलान :

दो राज्यों के विधानसभा चुनाव में उतारेंगे उम्मीदवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने शुक्रवार (12 दिसंबर) को बड़ा राजनीतिक ऐलान किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अपना विस्तार तेज़ी से कर रही है और अब पश्चिम बंगाल तथा उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी पूरी है। तेज प्रताप ने साफ कहा— "पश्चिम बंगाल में हमारी पार्टी चुनाव लड़ेगी और 2027 में यूपी में भी हम चुनाव लड़ेंगे। अभी कोई सुरक्षित नहीं है, हम भी नहीं। कोई भी हमला कर सकता है। हम अपनी बहन के साथ मजबूती से खड़े हैं।"

'देशभर में पार्टी का विस्तार— राष्ट्रीय स्तर पर बनाना है संगठन'

पटना में पार्टी के सदस्यता अभियान को लेकर मीडिया से बात करते हुए तेज प्रताप यादव बोले— "हमारा लक्ष्य है कि सदस्यता अभियान के

तहत पूरे देश में लोगों को जोड़ना है। हर राज्य में पार्टी का विस्तार करना है और इसे राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बनाना है। लोग लगातार संगठन से जुड़ रहे हैं।"

बिहार में बुलडोजर एक्शन पर तेज प्रताप का बयान

बिहार में चल रहे बुलडोजर एक्शन पर तेज प्रताप यादव ने गरीबों के पक्ष में आवाज उठाई। उन्होंने कहा— "सरकार से हमारी मांग है कि सड़क किनारे रहने वाले गरीबों के लिए व्यवस्था की जाए। उनके छोटे-छोटे बच्चे हैं, उन्हें भी रहने और रोजगार की सुविधा मिलनी चाहिए।"

अगर ऐसा ही चलता रहा तो तीसरा विश्व युद्ध... ट्रंप की कड़ी चेतावनी, पुतिन को साफ-साफ मैसेज!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर बड़ा बयान दिया है। व्हाइट हाउस में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान ट्रंप ने चेतावनी दी कि यह जंग तीसरे विश्व युद्ध का रूप ले सकती है। उन्होंने बताया कि पिछले महीने 25,000 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर सैनिक थे। राष्ट्रपति ने युद्ध में हो रही लगातार मौतों पर गहरा दुख जताया।

'रूस-यूक्रेन युद्ध तीसरे विश्व युद्ध का रूप ले सकता है'

युद्ध को तुरंत रोकने की अपील करते हुए ट्रंप ने कहा, "मैं यहां हो रही हत्याओं को रुकते देखना चाहता हूं। पिछले महीने लगभग 25,000 सैनिक मारे गए। हम इसे रोकने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। ऐसी घटनाएं आगे चलकर तीसरे विश्व युद्ध का कारण बन सकती हैं। जब तक इस तरह का खेल चलता रहेगा, दुनिया को बड़ी तबाही का सामना करना पड़ सकता है, और हम ऐसा नहीं होने देना चाहते।"

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव ने क्या कहा?

दुनिया में सीजफायर की वकालत करने वाले ट्रंप खुद इस लड़ाई को दूर से देख रहे हैं क्योंकि न तो रूस और न ही यूक्रेन पीछे हटने को तैयार है। इससे पहले व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा था कि राष्ट्रपति ट्रंप रूस और यूक्रेन दोनों से बेहद निराश हैं, क्योंकि दोनों देश सीजफायर के लिए तैयार नहीं हैं।

'सिर्फ बात नहीं, कार्रवाई चाहते हैं ट्रंप'

रूस-यूक्रेन युद्ध पर बात करते हुए कैरोलिन लीविट ने कहा,"राष्ट्रपति दोनों पक्षों से निराश हैं। वे औपचारिक बैठकों से तंग आ चुके हैं। वे सिर्फ बातें नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई चाहते हैं। वे चाहते हैं कि यह युद्ध खत्म हो।"

उन्होंने बताया कि ट्रंप प्रशासन शांति प्रयासों में सक्रिय है। 10 दिसंबर को ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं से बातचीत की, जबकि उनके विशेष दूत स्टीव विटकॉफ की टीम अभी भी दोनों पक्षों से सीधे संपर्क में है।

यूक्रेन को सुरक्षा समझौते के तहत मदद का भरोसा

ट्रंप ने कहा कि रूस के साथ युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका यूक्रेन को सुरक्षा समझौते के तहत सहायता देने को तैयार है। हालांकि, उन्होंने यह भी जताया कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने अमेरिकी शांति योजना पर इतनी आसानी से सहमति नहीं दी, जिससे कीव पर दबाव बढ़ गया है।

यूरोपीय देश में लड़कियों के हिजाब पहनने पर लगा प्रतिबंध

- धार्मिक रिवाज की आड़ में उत्पीड़न के आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य यूरोप के देश ऑस्ट्रिया ने एक बार फिर हिजाब को लेकर विवादित कदम उठाते हुए 14 साल से कम उम्र की स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए हेडस्कार्फ़ पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया है। गुरुवार को संसद में इस बिल को भारी बहुमत से मंजूरी दी गई। सरकार का दावा है कि इसका उद्देश्य "लड़कियों को उत्पीड़न और दमनकारी परंपराओं से बचाना" है। सरकार ने बताया कि यह नियम सितंबर में नए शैक्षणिक सत्र से लागू हो जाएगा। शुरुआती महीनों में बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को नए नियमों के बारे में जागरूक किया जाएगा, इस दौरान किसी पर जुर्माना नहीं लगेगा। लेकिन बार-बार नियम तोड़ने पर अभिभावकों से 150 से 800 यूरो (175–930 डॉलर) तक जुर्माना वसूला जा सकता है। अनुमान है कि इस कानून से लगभग 12,000 लड़कियां प्रभावित होंगी। इससे पहले 2019 में भी ऑस्ट्रिया ने प्राथमिक स्कूलों में हेडस्कार्फ़ बैन किया था, लेकिन देश की संवैधानिक अदालत ने उस फैसले को रद्द कर दिया था। अब नए सिरे से लागू किए जा रहे इस प्रतिबंध को लेकर मानवाधिकार समूह और विशेषज्ञ नाराज हैं। उनका कहना है कि यह कानून मुस्लिम

समुदाय को निशाना बनाता है और समाज में विभाजन व भेदभाव को बढ़ावा देगा। बिल पेश करते समय सरकार की ओर से कहा गया कि "इस तरह के पर्दे लड़कियों की आज़ादी छीन लेते हैं।" मंत्री ने यह भी कहा— "जब किसी लड़की से कहा जाए कि उसे पुरुषों की नजरों से बचने के लिए अपने शरीर को छिपाना है, तो यह कोई धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि उत्पीड़न है।" सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह प्रतिबंध हिजाब, बुर्का और इस्लामी पर्दे के सभी रूपों पर लागू होगा। संसद सदस्य यानिक शेट्टी ने तो यहां तक कहा कि "हेडस्कार्फ़ सिर्फ कपड़े का टुकड़ा नहीं, बल्कि अकसर इसका इस्तेमाल लड़कियों को सेक्सुअलाइज करने के लिए होता है।" मानवाधिकार संगठनों का मानना है कि यह कानून सांस्कृतिक स्वतंत्रता और धार्मिक अधिकारों का हनन है, और इसका असर खास तौर पर मुस्लिम समुदाय की बच्चियों पर पड़ेगा। विवाद के बावजूद सरकार इसे "महिला स्वतंत्रता" का कदम बता रही है।

'धमकी वही देते हैं, जो...', बंगाल में SIR के खिलाफ ममता बनर्जी के बयान पर भड़की BJP

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में एसआईआर पर खींचतान के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने एक बयान से राजनीतिक विवाद को बढ़ा दिया है। ममता बनर्जी ने गुरुवार (11 दिसंबर, 2025) को महिलाओं से मतदाता सूची से नाम कटने पर लड़ने के लिए बोला। इस पर पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों ने कहा है कि ममता बनर्जी डरी हुई हैं।

SIR से डर गई हैं ममता बनर्जी: त्रिपाठी

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणी पर भाजपा सांसद अरुण गोविल ने कहा, "धमकी वह लोग देते हैं, जो लोग अंदर से कमजोर होते हैं।" जबकि भाजपा सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा कि ममता बनर्जी और विपक्षी दलों को जनता की समस्याओं का कोई अंदाज़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि विरोधी दल अगर जनता के असली मुद्दों पर बात नहीं करेंगे तो आगामी चुनावों में सफाया हो जाएगा। त्रिपाठी ने कहा, "पश्चिम बंगाल की

जनता ममता बनर्जी से नाराज है। आने वाले चुनाव में जनता उन्हें बाहर करेगी। ममता बनर्जी डरी हुई हैं। एसआईआर और चुनाव सुधार को लेकर लगाए गए आरोपों का संसद में बिंदुवार खंडन किया गया है।" उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में SIR पर विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही भ्रांतियों का जवाब दिया है और यह साफ हो चुका है कि भाजपा निष्पक्ष चुनाव के पक्ष में है।

रोहिंग्या और बांग्लादेश से आए लोगों ने बंगाल में बनाई बस्ती: चाहर

वहीं भाजपा सांसद राजकुमार चाहर ने ममता बनर्जी के बयान को अराजकता फैलाने वाला करार दिया। उन्होंने कहा कि SIR से पश्चिम बंगाल में "सफाई अभियान" होना है और इसको लेकर डर फैलाना गलत है। चाहर ने कहा, "पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में रोहिंग्या और बांग्लादेश से आए लोगों ने बस्तियां बनाई हैं। दूसरे देशों के लोगों ने भारत में फर्जी राशन और आधार कार्ड बनाकर यहां के लोगों के अधिकार छीनने का काम किया है। ऐसे लोगों को चिह्नित करके देश से बाहर किया जाना चाहिए।"

राहुल गांधी की बैठक में नहीं पहुंचे शशि थरूर, लगातार तीसरी बार कांग्रेस मीटिंग से गायब; पुतिन के डिनर में हुए थे शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर शुक्रवार (12 दिसंबर, 2025) को राहुल गांधी की अध्यक्षता में हुई पार्टी की लोकसभा सांसदों की बैठक में शामिल नहीं हुए। थरूर की लगातार हो रही गैरहाजिरी अब पार्टी के भीतर सवाल खड़े कर रही है। हालांकि उन्होंने बैठक से अपनी अनुपस्थिति की जानकारी पहले ही नेतृत्व को दे दी थी, लेकिन कांग्रेस के चीफ व्हिप का कहना है कि उन्हें अनुपस्थिति के कारण के बारे में कोई स्पष्ट सूचना नहीं मिली है। तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर पहले भी कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कर चुके हैं, जिस पर उन्हें सवालों का सामना करना पड़ा। अब वह कांग्रेस की औपचारिक बैठकों से भी दूरी बना रहे हैं, जिससे पार्टी के भीतर चर्चा तेज़ है।

मनीष तिवारी भी बैठक से रहे गायब

राहुल गांधी की अध्यक्षता में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक से न सिर्फ शशि थरूर अनुपस्थित थे, बल्कि चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी भी मीटिंग में नहीं पहुंचे। शशि थरूर की सार्वजनिक कार्यक्रम सूची के अनुसार, वह गुरुवार (11 दिसंबर, 2025) की रात कोलकाता में प्रभा खैतान फाउंडेशन के कार्यक्रम में शामिल थे। इस आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है कि थरूर दिल्ली समय पर नहीं लौट सके और इसलिए बैठक में उपस्थित नहीं हो पाए। शशि थरूर की यह गैरहाजिरी ऐसे समय हुई है जब कुछ दिनों पहले ही उन्होंने सफाई दी थी कि वे 30 नवंबर, 2025 को हुई कांग्रेस की रणनीतिक समूह की बैठक से जानबूझकर अनुपस्थित नहीं थे। उन्होंने बताया था कि मीटिंग के दौरान वह फ्लाइट में थे और केरल से वापस आ रहे थे। उनका कहना था— "मैंने बैठक नहीं छोड़ी, मैं फ्लाइट में था।"

बैठकों से थरूर की गैरहाजिरी बन रही चर्चा का विषय

शशि थरूर की लगातार बढ़ती गैरहाजिरी अब कांग्रेस में चर्चा का बड़ा मुद्दा बन गई है। एसआईआर मुद्दे पर हुई एक अन्य चर्चा में भी वे शामिल नहीं हुए थे और तब उन्होंने खराब स्वास्थ्य का हवाला दिया था। पार्टी के कुछ नेताओं में उनकी अनुपस्थितियों को लेकर असहजता बनी हुई है। स्थिति को और रोचक बनाने वाला तथ्य यह है कि शशि थरूर ही एकमात्र कांग्रेस नेता थे जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा आयोजित रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में दिए गए राज्य भोज के लिए बुलाया गया था। इसी कारण उनकी प्राथमिकताएं और पार्टी बैठकों से दूरी को लेकर पार्टी के अंदर कई तरह की अटकलें तेज़ हो गई हैं।

पीएम मोदी की यात्रा से पहले भारत-ओमान फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने शुक्रवार को भारत-ओमान फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को मंजूरी दे दी। यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग को नई गति देने वाला माना जा रहा है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब प्रधानमंत्री मोदी 15 से 18 दिसंबर के बीच जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की त्रिपक्षीय यात्रा पर रवाना होने वाले हैं। ओमान का उनका यह दूसरा दौरा होगा, जो दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। भारत और ओमान के बीच लंबे समय से ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार और सांस्कृतिक क्षेत्रों में मजबूत साझेदारी रही है। एफटीए को मंजूरी मिलने से आर्थिक सहयोग को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। यह कैबिनेट स्वीकृति ओमान की शूरा परिषद द्वारा समझौते को हरी झंडी देने के एक दिन बाद आई है। दोनों देशों के बीच यह व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) नवंबर 2023 में शुरू हुई वार्ताओं का परिणाम है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत-ओमान द्विपक्षीय व्यापार 8.94 अरब डॉलर तक पहुंचा था, जो 2024-25 में बढ़कर 10.61 अरब डॉलर हो गया। कैबिनेट ने इसके साथ ही खोपरा के 2026 सीजन के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी और कोयला लिंकेज की नीलामी नीति 'कोलसेतु' को भी मंजूरी दी। नए एमएसपी के अनुसार मिलिंग खोपरा का मूल्य 12,027 रुपये और बॉल खोपरा का 12,500 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। वहीं, 'कोलसेतु' नीति के तहत औद्योगिक उपयोग और निर्यात उद्देश्यों के लिए कोयले का पारदर्शी आवंटन सुनिश्चित किया जाएगा। यह कदम ऊर्जा क्षेत्र में सरकार के चल रहे सुधारों को और गति देगा।

बांग्लादेश: शेख हसीना की सबसे बड़ी पार्टी अवामी लीग पर आगामी आम चुनाव में लगी रोक

नई दिल्ली। बांग्लादेश में 2026 के फरवरी महीने में होने वाले आम चुनाव से पहले बड़ा राजनीतिक भूचाल आया है। देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब बीते साल 2024 में छात्र आंदोलन के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद हसीना को प्रधानमंत्री पद से हटना पड़ा था। उनके सत्ता से बेदखल होने के बाद यह देश का पहला बड़ा चुनाव होगा। छात्र आंदोलन का नेतृत्व करने वाले नेताओं ने विद्रोह के बाद 'नेशनल सिटिजन पार्टी' (एनसीपी) नाम की नई राजनीतिक पार्टी बनाई है। एनसीपी हसीना सरकार

के खिलाफ बने जन समर्थन को वोटों में बदलने की कोशिश कर रही है, लेकिन सर्वेक्षणों में उसे बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी से काफी पीछे बताया गया है। उग्र प्रदर्शनों और राजनीतिक अस्थिरता के बाद आम जनता अब नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार से लोकतांत्रिक शासन बहाली की उम्मीद लगाए बैठी है। आगामी चुनाव में करीब 17.3 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे। मुस्लिम बहुल बांग्लादेश में इस चुनाव के दौरान जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और भारत-बांग्लादेश संबंध जैसे मुद्दे केंद्र में रहेंगे। वहीं हसीना सरकार में प्रतिबंधित रही जमात-ए-इस्लामी छात्र विद्रोह के बाद फिर से सक्रिय हो गई है, जिससे चुनावी समीकरण और जटिल हो गए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी इस बार सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को चुनावी माहौल में बढ़त मिलती दिख रही है। अमेरिकी इंटरनेशनल रिपब्लिकन इंस्टीट्यूट के दिसंबर सर्वे के अनुसार बीएनपी सबसे अधिक सीटें जीत सकती है और मुकाबले में अन्य दलों से काफी आगे नजर आ रही है।

श्रीलंका में चक्रवात से तबाह हुए पुलों और सड़कों को दोबारा बना रही है भारतीय सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। विनाशकारी चक्रवात दितवाह से प्रभावित श्रीलंका की जनता को त्वरित मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए भारत ऑपरेशन 'सागर बंधु' चला रहा है। इसी अभियान के तहत भारतीय सेना की एक 48 सदस्यीय इंजीनियर टास्क फोर्स को श्रीलंका में तैनात किया गया है। भारतीय सेना की यह विशेष टीम युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव से जुड़े काम कर रही है। राहत कार्यों के लिए की गई यह पहल भारत की पड़ोसी प्रथम नीति के अनुरूप है। भारतीय सेना के मुताबिक टास्क फोर्स की प्राथमिक जिम्मेदारी चक्रवात से क्षतिग्रस्त सड़कों और पुलों की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण है। गौरतलब है कि चक्रवात, तेज बारिश और बाढ़ के कारण कई इलाकों में सड़क संपर्क टूट गया है। अब यहां टूटी हुई सड़कों की मरम्मत की जा रही है ताकि राहत सामग्री और आवश्यक सेवाओं की आवाजाही सुचारू रूप से हो सके। भारतीय सेना की इस टीम में विशेष रूप से ब्रिजिंग एक्सपर्ट, सर्वेयर, वॉटरमैनशिप विशेषज्ञ, भारी इंजीनियरिंग उपकरणों, ड्रोन और अनमैन्ड सिस्टम संचालन में दक्ष कर्मी शामिल हैं। सभी विशेषज्ञ मिलकर सटीक, तेज और प्रभावी इंजीनियरिंग सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। इस

सहायता में बुरी तरह क्षतिग्रस्त सड़कों का पुनर्निर्माण, टूटे हुए पुलों को जोड़ना और अन्य ढांचागत सुविधाएं बहाल करना शामिल है। भारतीय सेना की इंजीनियर टास्क फोर्स के पास यहां श्रीलंका में फिलहाल चार सेट बेली ब्रिज उपलब्ध हैं। इन्हें भारतीय वायुसेना के सी-17 विमान से श्रीलंका पहुंचाया गया है। इनके माध्यम से कटे हुए इलाकों में त्वरित संपर्क बहाली की जाएगी। इसके अतिरिक्त टास्क फोर्स के पास पन्यूमैटिक नावें, आउटबोर्ड मोटर, हेवी पेलोड ड्रोन, रिमोट-कंट्रोल्ड बोट आदि अत्याधुनिक उपकरण भी उपलब्ध हैं। सेना का कहना है कि इन्हीं संसाधनों के दम पर टीम राहत व बचाव कार्य, अस्थायी आश्रय, सड़कों और पुल जैसी महत्वपूर्ण संरचनाओं के निर्माण में सक्षम है। श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा बताए गए आवश्यक स्थानों के आधार पर, भारतीय इंजीनियर टास्क फोर्स ने श्रीलंका सेना और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर कई पुल स्थलों का रेकी का काम किया है। इन पुलों को तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कई पुलों पर कार्य प्रारंभ भी कर दिया गया है। यहां मॉड्यूलर बेली ब्रिज स्थापित किया जा रहा है, जिसे आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न कॉन्फिगरेशन में लगाया जा सकता है। इसके तैयार होते ही इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी बहाल हो जाएगी। सेना के अनुसार ऑपरेशन 'सागर बंधु' सिर्फ राहत कार्य नहीं, बल्कि भारत की पड़ोसी देशों के प्रति प्रतिबद्धता, त्वरित सहायता और मानवीय सहयोग की भावना का प्रतीक है। भारतीय सेना की यह इंजीनियर टास्क फोर्स श्रीलंका के संकटग्रस्त क्षेत्रों में आशा और सहायता दोनों का महत्त्वपूर्ण स्तंभ बनकर काम कर रही है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

भारत में बढ़ता विदेशी निवेश: टेक, चिप और ईवी सेक्टर के लिए सुनहरा मौका

विदेशी कंपनियों का भारत में बढ़ता निवेश आज की आर्थिक परिस्थिति में बेहद सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। हाल ही में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी दुनिया की शीर्ष टेक कंपनियों ने भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करने की घोषणा की है। इसके साथ ही सेमी-कंडक्टर चिप निर्माण, ऑटोमोबाइल, ऊर्जा और वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र से जुड़ी कई वैश्विक कंपनियां भी भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी में हैं। कुछ सप्ताह पहले गूगल ने आंध्र प्रदेश में बड़े निवेश का ऐलान किया था और अब माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन ने भी अपने विस्तार की योजना सार्वजनिक कर दी है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि दुनिया की बड़ी टेक कंपनियां भारत को भविष्य के सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक मानने लगी हैं। इस बढ़ते रुझान का एक बड़ा कारण अमेरिका में ट्रम्प की "मागा" (Make America Great Again) नीति है, जिसके तहत अमेरिकी टेक कंपनियों पर यह दबाव है कि वे विदेशी इंजीनियरों की जगह अमेरिकी युवाओं को अधिक रोजगार दें। अमेरिकी इंजीनियरों को उच्च मासिक वेतन देना पड़ता है और ऊपर से ट्रम्प की नीतियों में लगातार आने वाली अनिश्चितता से कंपनियां असहज महसूस कर रही हैं। दूसरी तरफ, भारतीय इंजीनियर अपनी दक्षता, तकनीकी कौशल और अपेक्षाकृत कम वेतन मांग से इन कंपनियों को अधिक आकर्षित करते हैं। जब कंपनियां भारत में अपने विकास केंद्र या विनिर्माण इकाइयां स्थापित करती हैं, तो उन्हें न सिर्फ प्रतिभाशाली इंजीनियर मिलते हैं बल्कि विशाल उपभोक्ता बाजार तक सीधी पहुंच भी प्राप्त होती है। ट्रम्प के भारत-विरोधी रुख और वीज़ा नीतियों की सख्ती के कारण भारतीय टेक युवाओं के लिए अमेरिका जाना मुश्किल हो गया है। इससे अमेरिकी टेक कंपनियों को यह एहसास हुआ कि यदि वे भारतीय प्रतिभा का लाभ उठाना चाहती हैं तो भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाना ही बेहतर विकल्प है। यही वजह है कि गूगल और माइक्रोसॉफ्ट के बाद अब अमेजन भी भारत में अपने व्यापार विस्तार को प्राथमिकता दे रहा है। अमेजन का भारतीय बाज़ार पर विशेष फोकस इसीलिए भी है क्योंकि यहां मध्यम वर्ग लगातार मजबूत हो रहा है और उसकी क्रय-शक्ति भी बढ़ रही है। कंपनी के वर्तमान संचालन से ही लगभग 28 लाख लोग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से जुड़े हुए हैं, और आने वाले वर्षों में यह संख्या और बढ़ने की संभावना है। टेक सेक्टर के साथ-साथ ऑटोमोबाइल और ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों का भी भारत में रुझान बढ़ रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता विन्फास्ट ने भारत में लगभग 4 अरब डॉलर निवेश कर अपनी इकाई शुरू करने की योजना बनाई है। यह भारत के ईवी उद्योग को नई दिशा देने वाला कदम साबित हो सकता है। सेमी-कंडक्टर निर्माण से जुड़ी कंपनियां भी भारत की ओर देख रही हैं, जिसका कारण भारत सरकार की चिप निर्माण नीति और वैश्विक सप्लाई चेन में भारत को वैकल्पिक विकल्प के रूप में उभरते देखना है। चीन पर निर्भरता कम करने के इच्छुक देशों और कंपनियों के लिए भारत एक सुरक्षित, स्थिर और बड़ा बाजार प्रदान करता है।

अमेरिका भारत को हल्के में नहीं ले सकता: हमारी राष्ट्रीय हितों की अनदेखी कर किसी स्थायी रणनीतिक साझेदारी की उम्मीद संभव नहीं

-चीन की चुनौती के दौर में भारत ही अमेरिका के लिए सबसे महत्वपूर्ण और विश्वसनीय रणनीतिक साझेदार है

अंतरराष्ट्रीय रिश्तों की दुनिया सिर्फ भाषणों या कूटनीतिक मुस्कुराहटों से नहीं चलती, बल्कि राष्ट्रीय हितों, रणनीतिक गणित और दीर्घकालिक भू-राजनीतिक समझ से संचालित होती है। आज जब वैश्विक शक्ति-संतुलन तेज़ी से बदल रहा है और चीन का उभार पूरी दुनिया के लिए चुनौती बन चुका है, ऐसे में अमेरिका के लिए भारत का महत्व किसी भी दूसरे साझेदार से कई गुना बढ़ चुका है। यह बात वाशिंगटन भी जानता है, लेकिन हाल के वर्षों में अमेरिकी नीति-निर्माताओं का रवैया कई बार ऐसा रहा है, मानो वे भारत को हल्के में लेने की भूल कर रहे हों। अमेरिका की भारत-नीति में यह विचलन और विद्वेषपूर्ण संकेत सिर्फ संबंधों में दरार नहीं डालते बल्कि उस पूरे रणनीतिक ढांचे को कमजोर कर देते हैं जिसे अमेरिका पिछले दो दशक से एशिया में कायम रखना चाहता है। सच्चाई यह है कि अमेरिका की दीर्घकालिक रणनीतिक ज़रूरतों के लिए भारत जैसा कोई दूसरा विकल्प है ही नहीं—न जनसंख्या के पैमाने पर, न भू-राजनीतिक स्थिति के लिहाज़ से और न ही सैन्य शक्ति के संदर्भ में। भारत ही एशिया में वह एकमात्र शक्ति है जो चीन की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं को प्रभावी ढंग से चुनौती दे सकती है। भारत की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, मजबूत सैन्य क्षमता, परमाणु प्रतिरोधक शक्ति, लोकतांत्रिक ढांचा और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में केंद्रीय स्थिति ही उसे अमेरिका के लिए अपरिहार्य साझेदार बनाती है। यही कारण है कि जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के समय से ही अमेरिका की भारत-नीति का मूल आधार यही रहा है कि भारत को एशिया में शक्ति-संतुलन बनाए रखने के लिए एक निर्णायक शक्ति के रूप में विकसित किया जाए।

भारत–अमेरिका सुरक्षा संबंधों की मज़बूती

भारत और अमेरिका के बीच सामरिक तालमेल पिछले एक

दशक में जितनी तेज़ी से बढ़ा है, वैसा अमेरिका के किसी भी गैर-नाटो देश के साथ नहीं हुआ है। सैन्य इंटर-ऑपरेबिलिटी, खुफिया साझेदारी, हाई-टेक हथियारों की खरीद–फरोख्त और उन्नत तकनीकों तक पहुंच—इन सबमें अमेरिका ने भारत को प्राथमिकता दी। आज स्थिति यह है कि भारत किसी भी अन्य देश की तुलना में अमेरिका के साथ सबसे अधिक संयुक्त सैन्य अभ्यास करता है।

साथ ही, व्यापारिक मोर्चे पर भी अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन चुका है। यह सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि दोनों देशों की दीर्घकालिक रणनीतिक नज़दीकी के संकेत हैं। और यह भी तथ्य है कि भारत–अमेरिका संबंधों में वास्तविक प्रगति का एक बड़ा हिस्सा डोनाल्ड ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान हुई। ट्रम्प प्रशासन ने चीन पर दबाव बढ़ाया, पाकिस्तान के प्रति कठोर रुख अपनाया और हिंद–प्रशांत रणनीति में भारत को प्रमुख स्थान दिया। इस कारण भारत को कई नए अवसर मिले और दोनों देशों का संबंध सुरक्षा और तकनीक के स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचा।

लेकिन इसी दौर में अमेरिका ने कई गंभीर गलतियां भी कीं

भारत ने अमेरिका के साथ सहयोग बढ़ाया, परंतु अमेरिका ने कई मौकों पर ऐसा व्यवहार किया जिसने भारत को गंभीर रूप से सतर्क कर दिया।

अफगानिस्तान से अव्यवस्थित पलायन: यह निर्णय बाइडेन प्रशासन के दौरान लागू किया गया, लेकिन इसकी नींव ट्रम्प के दौर में तालिबान के साथ किए गए समझौते ने रखी थी। इस पलायन ने— अमेरिकी नेतृत्व की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा किया, आतंकवाद को फिर से पनपने का मौका दिया, दक्षिण एशिया में चीन–पाकिस्तान धुरी को मजबूत किया। भारत समझ गया कि अमेरिका मुश्किल समय में अपने सहयोगियों को अधर में छोड़ सकता है। यह किसी भी विश्वासयोग्य साझेदारी के लिए चिंताजनक संकेत था।

पाकिस्तान को बार-बार लाभ पहुंचाना: भारत–अमेरिका संबंधों को सबसे बड़ा नुकसान इस बात से हुआ कि बाइडेन प्रशासन ने— पाकिस्तान को आईएमएफ से बेलआउट पैकेज दिलवाने में मदद की, उसके एफ–16 लड़ाकू विमानों के आधुनिकीकरण के लिए 45 करोड़ डॉलर की मंजूरी दी। भारत वर्षों से कहता आया है कि पाकिस्तान अमेरिका से प्राप्त सैन्य मदद को भारत विरोधी गतिविधियों में उपयोग करता है। फिर भी वाशिंगटन ने इस चेतावनी को नजरअंदाज किया। ट्रम्प का पाकिस्तान के प्रति रुख भी व्यवहार में भारत-हितैषी होते हुए भी कई जगह झुकावपूर्ण माना गया, विशेषकर चीन–पाकिस्तान साझेदारी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए।

रूस–यूक्रेन युद्ध में भारत पर दबाव डालने की कोशिश

अमेरिका चाहता था कि भारत रूस पर लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों का पूरी तरह पालन करे। लेकिन भारत ने इससे साफ इनकार कर दिया और सस्ते दरों पर रूसी तेल खरीदना जारी रखा, जो भारत के लिए आर्थिक रूप से आवश्यक और रणनीतिक रूप से उचित था। भारत ने साफ संदेश दिया कि— वह यूरोप में चल रहे युद्ध के लिए अपने राष्ट्रीय हितों की बलि नहीं देगा, और ना ही अपनी ऊर्जा सुरक्षा को दूसरे देशों की राजनीतिक प्राथमिकताओं पर कुर्बान करेगा। भारत की यह नीति पूरी तरह तार्किक थी, क्योंकि रूसी तेल पर पश्चिमी प्रतिबंधों का सबसे बड़ा लाभार्थी चीन था। चीन ने भारी मात्रा में डिस्काउंटेड रूसी तेल खरीदा और मास्को पर अपनी आर्थिक पकड़ मजबूत कर ली। भारत इस जाल में नहीं फंसना चाहता था।

अमेरिका की "डबल स्टैंडर्ड" नीति और भारत का अनुभव

यह पहली बार नहीं था जब अमेरिका की प्रतिबंध नीति का खामियाजा भारत को भुगतना पड़ा हो।

2019 का ईरान संकट: जब ट्रम्प प्रशासन ने ईरान पर कठोर प्रतिबंध लगाए, तो भारत को— अपने सबसे सस्ते और भरोसेमंद तेल स्रोत से हाथ धोना पड़ा, जबकि चीन ने भारी छूट पर ईरानी तेल खरीदकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। ईरान भारत के लिए सिर्फ तेल का स्रोत नहीं था, बल्कि अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक रणनीतिक पहुंच का रास्ता भी था। अमेरिका के दबाव के कारण भारत को अपनी रणनीति सीमित करनी पड़ी, जबकि चीन लगातार आगे बढ़ता गया। रूस–यूक्रेन युद्ध में भी वही पैटर्न दोहराया गया अमेरिका ने रूस को पश्चिमी बाजारों से अलग किया, रूस चीनी निर्भरता में घिर गया, चीन को ऊर्जा सुरक्षा और भू-राजनीतिक लाभ मिल गया। इसी अनुभव के कारण भारत ने इस बार अपना रास्ता खुद चुना और अमेरिकी दबाव में नहीं आया।

भारत की स्वतंत्र विदेश नीति: अमेरिका को समझने की आवश्यकता

अमेरिका को यह स्वीकार करना होगा कि भारत कोई छोटा देश नहीं है जिसे दबाव या धमकी से अपनी दिशा बदली जा सके। भारत— एक परमाणु शक्ति है, दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था है, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, और एशिया की दूसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है। भारत अपनी विदेश नीति स्वतंत्र रूप से चलाता है। भारत का मूल सिद्धांत है— "राष्ट्रीय हित सर्वोपरि।" यह बात रूस, चीन, पश्चिम एशिया या अमेरिका— सभी मोर्चों पर समान रूप से लागू होती है। भारत गठबंधनों में नहीं बंधता, बल्कि इश्यू-आधारित साझेदारी करता है। कहीं सहयोग, कहीं प्रतिस्पर्धा और कहीं सख्त संतुलन—यह उसकी विदेश नीति की नींव है।

अमेरिका का नया रवैया: बढ़ता अविश्वास और दुविधा

हाल के वर्षों में अमेरिका का रवैया कई बार ऐसा लगता है जैसे वह भारत की मजबूती को स्वीकारने में हिचक रहा है। इसके कारण हैं— मानवाधिकार के नाम पर भारत की आलोचना, भारत के घरेलू मामलों पर अनचाही टिप्पणियां, पाकिस्तान को राहत देना, रूस को लेकर भारत पर दबाव डालना, और चीन के मुद्दे पर कई बार अस्पष्टता। इन सभी बातों ने भारत को स्पष्ट संदेश दिया है कि अमेरिका की राजनीति व्यक्ति–आधारित और अस्थिर है। हर प्रशासन के साथ नीतियां बदल जाती हैं। जबकि भारत दीर्घकालिक और स्थिर रणनीतिक साझेदारी चाहता है। सवाल यह नहीं है कि भारत और अमेरिका के संबंध कैसे हैं, बल्कि यह है कि ये संबंध कैसे मजबूत रह सकते हैं? दोनों देशों के बीच सहयोग की immense संभावनाएं हैं— तकनीक, रक्षा और हथियार, इंडो–पैसिफिक में समुद्री सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा सहयोग, व्यापार और निवेश, अंतरिक्ष अनुसंधान, लेकिन इसके लिए अमेरिकी नीति-निर्माताओं को कुछ बुनियादी वास्तविकताएं स्वीकारनी होंगी।

कर्ज़ के भंवर से निकलकर वैश्विक बाज़ार में चमका अशोक लीलैंड: संघर्ष, पुनर्गठन और शानदार वापसी की प्रेरक सफलता कहानी

-2013 के गहरे संकट से उभरकर कमर्शियल वाहन उद्योग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाली कंपनी की यात्रा

भारत की अर्थव्यवस्था में ऑटोमोबाइल सेक्टर हमेशा से एक अहम भूमिका निभाता आया है। खासतौर पर कमर्शियल वाहन क्षेत्र—ट्रक, बस, लॉजिस्टिक्स व्हीकल—देश की इंडस्ट्री, खनन, निर्माण और परिवहन प्रणाली की रीढ़ माने जाते हैं। इस सेक्टर में जब भी मांग घटती है, इसका सीधा असर कई उद्योगों और करोड़ों लोगों की आजीविका पर पड़ता है। ऐसा ही एक कठिन दौर 2013 में आया जब भारतीय ऑटो उद्योग बुरी तरह मंदी की गिरफ्त में था। माइनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स धीमे पड़ चुके थे। बड़ी कंपनियों के लिए नई बिक्री पाना मुश्किल हो गया था। इसी चुनौतीपूर्ण माहौल में देश की प्रमुख कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी—अशोक लीलैंड—ऐसे संकट में फंस गई जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। कभी लगातार बढ़ते विस्तार और बाजार पर पकड़ के लिए जानी जाने वाली कंपनी अचानक 6,200 करोड़ रुपए के भारी कर्ज के बोझ तले दब गई। बिक्री 42 प्रतिशत तक गिर गई, उत्पादन कम करना पड़ा और 1,200 से अधिक कैजुअल वर्कर्स की छंटनी करनी पड़ी। यह कंपनी की इतिहास की सबसे कठिन घड़ी थी—एक ऐसा मोड़ जब अस्तित्व पर ही सवाल उठने लगे। लेकिन इसी कठिन समय में कंपनी ने खुद को पूरी तरह पुनर्गठित किया। वर्किंग कैपिटल कम करने से लेकर कर्ज घटाने तक, बिजनेस मॉडल में बड़े बदलाव किए। यह रणनीति इतनी सफल रही कि आज वही कंपनी न केवल भारतीय बाजार में दूसरे नंबर की कमर्शियल वाहन निर्माता है, बल्कि बस निर्माण में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी कंपनी बन चुकी है। कंपनी का मार्केट कैप लगभग 93,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है और 50 से अधिक देशों में इसका व्यापार फैल चुका है। यह कहानी न केवल एक कॉर्पोरेट हाउस की वापसी का उदाहरण है, बल्कि यह सिखाती है कि बिजनेस में उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए दूरदर्शिता, सुधार की इच्छा और साहसिकता जरूरी होता है।

2013 का संकट: जब सब कुछ बिखरता दिख रहा था

2013 भारतीय ऑटो सेक्टर के लिए सबसे कठिन वर्षों में से एक था। माइनिंग कंपनियों पर सरकारी प्रतिबंध, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में देरी और आर्थिक सुस्ती—इन सबने कमर्शियल वाहनों की मांग को लगभग ठप कर दिया। जहां एक ओर दोपहिया और पैसेंजर कारों की बिक्री पर भी असर था, वहीं ट्रक और बस जैसे भारी वाहनों की बिक्री में सबसे अधिक गिरावट देखने को मिली।

अशोक लीलैंड पर गिरती बिक्री का असर

अशोक लीलैंड की कमर्शियल वाहन बिक्री लगभग 42 प्रतिशत तक गिर गई। इतना बड़ा गिरावट उस कंपनी के लिए विनाशकारी थी जो विस्तार की तेज रफ्तार में चल रही थी। बिक्री घटने का सीधा असर कंपनी के नकद प्रवाह (कैश फ्लो) पर पड़ा और लगातार नुकसान होने लगे। इसके साथ ही कंपनी पर कुल कर्ज 6,200 करोड़ रुपए तक पहुंच गया—जो उस समय कंपनी के कुल बाजार मूल्य से भी अधिक था। इस स्थिति में कंपनी के तत्कालीन एमडी विनोद दासरी ने स्वीकार किया था कि यह कंपनी के इतिहास का सबसे कठिन समय था। उन्होंने कहा—"यह हमारे लिए सबसे मुश्किल दौर था। लेकिन हमने वर्किंग कैपिटल 80% घटाकर 250 करोड़ तक ला दिया और कर्ज को आधे से अधिक कम कर दिया।"

छंटनी और लागत में कटौती

संकट इतना गहरा था कि कंपनी को लगभग 1,200 कैजुअल वर्कर्स को हटाना पड़ा, ताकि लागत को नियंत्रित किया जा सके। इसके अलावा कई प्लांट्स में उत्पादन धीमा पड़ा, ओवरटाइम बंद किए गए और खरीद नीतियों में बड़े बदलाव किए गए। यह कठिन फैसले थे, लेकिन इन्हें न लेना स्थिति को और भी खराब कर सकता था।

कंपनी संकट में क्यों फंसी?

2013 की मंदी से पहले ऑटो सेक्टर तेजी से बढ़ रहा था। भारी वाहनों की खरीद, बसों की मांग और माइनिंग ट्रकों के नए मॉडल—इन सबने बाजार में उछाल पैदा किया था। अशोक लीलैंड ने इसी उछाल को देखते हुए तेज विस्तार की योजना बनाई।

बूम के दौर में बिना ठोस प्लानिंग के विस्तार

कंपनी ने बड़े पैमाने पर नई फैक्ट्रियों, तकनीक और उत्पादन क्षमताओं में निवेश किया। यह निवेश ज्यादातर कर्ज लेकर किया गया। इसे सामान्य समय में संभालना संभव था, लेकिन जब अचानक बिक्री घट गई तो कंपनी इस भारी कर्ज के बोझ को संभाल नहीं पाई। यही कर्ज बाद में कंपनी की सबसे बड़ी परेशानी बन गया। एक तरह से कहा जाए तो "तेजी से विस्तार का निर्णय ऐसी परिस्थिति में कंपनी को भारी पड़ गया जब बाजार पलट गया।"

पुनर्गठन की शुरुआत: कठिन लेकिन जरूरी कदम

संकट से निकलने के लिए कंपनी ने कई बड़े और कठिन निर्णय लिए। ये फैसले तुरंत लिए गए और सख्ती से लागू किए गए।

वर्किंग कैपिटल में 80% की कटौती: पहला कदम था अनावश्यक खर्च और इन्वेंट्री को कम करना।

वर्किंग कैपिटल को 80% घटाकर 250 करोड़ रुपए तक लाया गया। यानी कंपनी ने 'कम संसाधनों में ज्यादा काम' करने की नीति अपनाई।

कर्ज को कम करना: कंपनी ने अपने गैर–मुख्य (non-core) कारोबार बेचे, कुछ संपत्तियां बेचकर नकदी जुटाई और बैंकों से रीस्ट्रक्चरिंग करवाई। इससे कर्ज काफी हद तक घट गया।

प्रोडक्ट और तकनीक में सुधार: अशोक लीलैंड ने अपने प्रमुख ट्रक और बस मॉडल्स में तकनीकी सुधार किए और नए, ईंधन दक्ष (fuel-efficient) मॉडल बाजार में उतारे। इसी दौरान कंपनी ने डिफेंस व्हीकल सेगमेंट पर भी ज्यादा ध्यान देना शुरू किया।

लागत नियंत्रण: खर्चों में कटौती और सप्लाई चेन को सुव्यवस्थित करना बेहद प्रभावी साबित हुआ। इसके चलते उत्पादन लागत कम हुई और कंपनी धीरे-धीरे मुनाफे की तरफ आने लगी।

इस्लाम के नैतिक विषय: कुरानिक शिक्षा में दया, न्याय और करुणा

समकालीन भारतीय सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में, मुस्लिम समुदाय स्वयं को पहचान, हाशिए पर होने, आर्थिक पिछड़ेपन, सामाजिक कलह और बहुलवाद के लिए खतरों के एक जटिल जाल में फँसा हुआ पाता है। चुनौतियाँ बहुआयामी हैं, जिनमें सांप्रदायिक ध्रुवीकरण, आर्थिक अधिकारों से वंचित होना और शैक्षिक पिछड़ापन से लेकर मीडिया द्वारा गलत प्रस्तुति और वैचारिक दुरुपयोग तक शामिल हैं। फिर भी, इन कठिनाइयों के बीच, कुरान पाक एक स्पष्ट शिक्षा प्रस्तुत करता है, जिसे यदि ईमानदारी से अपनाया जाए, तो यह मुसलमानों को समृद्धि की ओर ले जाने वाले एक दिशासूचक के रूप में कार्य कर सकता है और साथ ही राष्ट्रीय विकास में भी योगदान दे सकता है। दया (रहमा), न्याय (अदल) और करुणा (एहसान) के मूलभूत विषय इस्लाम में गौण गुण नहीं हैं, ये इसका सार हैं। ये मूल्य न केवल ईश्वरीय गुण हैं, बल्कि विश्वासियों के लिए नैतिक अनिवार्यताएँ भी हैं, जो व्यक्तिगत आचरण और सामूहिक कार्य दोनों का मार्गदर्शन करती हैं।

पवित्र कुरान बार-बार पुष्टि करता है कि दया सृष्टि के साथ ईश्वरीय जुड़ाव का सर्वव्यापी सिद्धांत है। कुरान ने दोस्तों और दुश्मनों दोनों के साथ अपने व्यवहार में इस सिद्धांत का उदाहरण दिया। मक्का की विजय के दौरान कुरैश के प्रति उनकी क्षमा, अनाथों और हाशिए पर पड़े लोगों के प्रति उनकी करुणा, और मदीना में उनका समावेशी शासन नैतिक नेतृत्व के स्थायी मॉडल हैं। ये उदाहरण न केवल ऐतिहासिक अनुस्मारक के रूप में बल्कि आधुनिक समय में मुसलमानों के आचरण के लिए व्यावहारिक दिशानिर्देश के रूप में भी काम करते हैं। इन आयतों की प्रासंगिकता को बहुलवादी भारत में रहने वाले मुसलमानों को समझना चाहिए। मुसलमानों के लिए यह आवश्यक है यह केवल कानूनी निर्णय तक सीमित नहीं है, बल्कि एक समग्र सिद्धांत है जिसमें सामाजिक समता, निष्पक्षता और नैतिक अखंडता शामिल है। पूर्वाग्रह, सामाजिक बहिष्कार और हानि का भय उन्हें सार्वजनिक भलाई करने से नहीं रोकना चाहिए, भले ही यह उन्हें बहिष्कृत कर दे। कुरान में व्यक्त सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ करुणा है, जो दया और न्याय के बीच भावनात्मक और नैतिक सेतु है। करुणा में दया को कार्यान्वित करते हुए न्याय को मानवीय बनाने का एक सहज गुण है। कुरान कहता है, "जो लोग धरती पर विनम्रता से चलते हैं और जब अज्ञानी उन्हें संबोधित करते हैं, तो वे शांति के शब्दों के साथ जवाब देते हैं" (25:63)। यह आयत जटिल सामाजिक परिदृश्य में मार्गदर्शन के लिए एक नैतिक दिशासूचक प्रदान करती है। इस आयत से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सार्वजनिक विमर्श में उकसावे और पूर्वाग्रहों का आक्रामक तरीके से जवाब नहीं दिया जाना चाहिए। अज्ञानता और शत्रुता का सामना करते समय भी संयम बरतना चाहिए और शांति के लिए गरिमा और प्रतिबद्धता का आह्वान करना चाहिए। करुणा की तुलना कमजोरी से नहीं की जा सकती, बल्कि यह शक्ति, सहानुभूति और मध्यम मार्ग है, जो मनुष्य को गलत और सही को समझने में सक्षम बनाता है। यह वह शक्ति है जो विरोधियों को सहयोगियों में और संघर्ष को सह-अस्तित्व में बदल देती है।

आज भारतीय मुसलमान केवल बाहरी ही नहीं, बल्कि आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जो ज़्यादा चिंताजनक हैं। शैक्षिक मानकों का ह्रास, नैतिक मूल्यों का ह्रास और सांप्रदायिक एकता का विखंडन गंभीर चिंताएँ हैं। कुरान पूछता है, "क्या जो जानते हैं वे उन लोगों के बराबर हैं जो नहीं जानते?" यह प्रश्न ज्ञान के मूल्य और बौद्धिक जुड़ाव की अनिवार्यता को रेखांकित करता है। इसलिए शिक्षा को व्यक्तिगत उन्नति के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन का एक साधन भी माना जाता है।

कुरान इन तीनों गुणों को एकता के व्यापक दायरे में समाहित करता है, जिसे समाज को एक सूत्र में बाँधने वाली अनिवार्यता के रूप में परिभाषित किया गया है। एक एकजुट समुदाय अपने अधिकारों की वकालत करने, राष्ट्रीय विकास में योगदान देने और विभाजनकारी आख्यानों का प्रतिकार करने के लिए बेहतर स्थिति में होता है।

"बुराई को बेहतरी से दूर करो; फिर जो तुम्हारा दुश्मन था, वह तुम्हारे घनिष्ठ मित्र के समान निकट हो जाएगा।" यह आयत नैतिक आचरण की परिवर्तनकारी शक्ति को समाहित करती है, जो सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में सहभागिता, संवाद और नैतिक उत्कृष्टता का आह्वान करती है। भारतीय मुसलमानों को पीड़ित होने के प्रलोभन का विरोध करना चाहिए और इसके बजाय रचनात्मक कार्रवाई के माध्यम से अपनी क्षमता का दावा करना चाहिए, जिसमें कानूनी वकालत, मीडिया साक्षरता, अंतर्धार्मिक संवाद और नागरिक भागीदारी शामिल है। लक्ष्य केवल अधिकारों की रक्षा करना नहीं है, बल्कि एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जहाँ न्याय, दया और करुणा आदर्श हों।

राजस्थान लिख रहा तकनीकी प्रगति का नया अध्याय - भजनलाल शर्मा

- राजस्थान डिजिफेस्ट के टीजर एवं हैकाथॉन का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नवाचार की शुरूआत जिज्ञासा से ही होती है और तेज गति से बदलती दुनिया में नवाचार ही हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे समाज के विकास का सच्चा इंजन है। उन्होंने कहा कि युवाओं के आगे बढ़ने से ही देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा। यह सुखद है कि आज राजस्थान के युवा तकनीक में नाम कमा रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि युवा नवाचार के क्षेत्र में आगे आएं, सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। हम सब मिलकर राजस्थान को तकनीक और नवाचारों के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनाएंगे। शर्मा शुक्रवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में 'नवाचार दिवस-स्टार्टअप कॉन्क्लेव' समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह हमारी रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की क्षमता का उत्सव मनाने का दिन है। यह कार्यक्रम हमारे विचारों, रचनात्मकता और डिजिटल तकनीक में तेजी से आगे बढ़ते राजस्थान की गौरवशाली यात्रा का उत्सव है।

आईस्टार्ट राजस्थान से 7 हजार 200 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आईटी क्षेत्र में की गई पहलों, डिजिटल गवर्नेंस से संबंधित सुधारों और हर जिले में नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता से आज राजस्थान तकनीकी प्रगति का नया अध्याय लिख रहा है। उन्होंने कहा कि आईस्टार्ट राजस्थान के माध्यम से अब तक 7 हजार 200 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हो चुके हैं, जिनमें एक हजार करोड़ से अधिक का निवेश आया है। इनमें 42 हजार 500 से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। ये स्टार्टअप न केवल उभरते उद्योगों को प्रोत्साहित करेंगे, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेंगे।

2 हजार 600 से अधिक स्टार्टअप्स का नेतृत्व कर रही महिलाएं

शर्मा ने कहा कि स्टार्टअप शुरू करने में महिलाएं बढ़ चढ़कर आगे आ रही हैं। आईस्टार्ट पर पंजीकृत होने वाले स्टार्टअप में से 2 हजार 600 से अधिक स्टार्टअप का नेतृत्व महिलाएं तथा 288 स्टार्टअप का नेतृत्व हमारे युवा विद्यार्थी कर रहे हैं। आईस्टार्ट पर पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या बढ़कर 1 लाख 16 हजार से ऊपर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि सफल स्टार्टअप नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ ही राजस्थान के युवाओं को बड़ी संभावनाओं वाले क्षेत्रों में ग्लोबल लीडर बनने में मददगार साबित होंगे।

राइजिंग राजस्थान समिट से प्रदेश निवेश गंतव्य के रूप में उभरा

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को नई तकनीक में प्रशिक्षित करने के लिए राज्य में तीन सेंटर फॉर एडवांस्ड स्किलिंग स्थापित किए जा रहे हैं। हम युवाओं का कौशल विकास कर उन्हें रोजगारपरक बनाने के लिए स्टेट स्किल पॉलिसी के तहत 2 साल में डेढ़ लाख युवाओं को प्रशिक्षण देने पर काम कर रहे हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट जैसी हमारी पहलों से निवेशकों का भरोसा काफी मजबूत हुआ है। गत वर्ष आयोजित इस समिट में 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू हुए और उनमें से 8 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट धरातल पर आने लगे हैं। इस समिट से एक तेजी से उभरते निवेश गंतव्य के रूप में राजस्थान की स्थिति और मजबूत हुई है।

92 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियां, ढाई लाख से अधिक निजी क्षेत्र में रोजगार

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार नीतियों के आधार पर कार्य कर रही है। हमने पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियों का लक्ष्य रखा है और इसी दिशा में हमने अब तक 92 हजार युवाओं को नियुक्तियां प्रदान की हैं तथा इसी माह में ही लगभग 20 हजार युवाओं को नियुक्तियां प्रदान की जाएंगी। साथ ही, निजी क्षेत्र में भी हमारी सरकार ने ढाई लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं। युवाओं के विकास के लिए नवीन युवा पॉलिसी भी लाने जा रही है।

नुक्कड़ नाटक से दिया यातायात नियम और घायलों की मदद करने का संदेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान के तहत प्रादेशिक परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की ओर से आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में पहले दिन कला सागर सेवा संस्था के कलाकारों ने शहर के अलग-अलग जगह पर नुक्कड़ नाटक कर यातायात नियमों के बारे में आम जन को जागरूक किया। कलाकारों ने दुर्घटना के बाद घायल की मदद करने और घायल की समय पर मदद कर अच्छा सेमीरिटर्न बनने और उनके सम्मान से संबंधित जानकारियां लोगों को दी। संस्था सचिव स्वराला किरार ने बताया कि जयपुर के रोड नंबर 14, सीकर रोड स्थित एक नंबर रोड, चौमूं पुलिया और हरबक्स कांवटिया सर्किल के पास नुक्कड़ नाटक कर करीब सैकड़ों नागरिकों को यातायात के नियम कायदे बताएं। परिवहन निरीक्षक शकीला बानो ने कहा कि अगर हम यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन चलाते हैं तो किसी भी प्रकार की दुर्घटना के चांस शून्य के बराबर होते हैं। निरीक्षक बानो ने कहा की दुपहिया वाहन चालक हेलमेट और चौपहियां वाहन चालक हमेशा सीट बेल्ट का प्रयोग करना नहीं भूलें।

इन कलाकारों ने किया अभिनय:

नाटक में कलाकार नितेश वर्मा, प्रकाश, कृष्ण भार्गव, लखन और रोहन सिंह ने अभिनय किया। सभी कलाकार रंगमंच के साथ-साथ राजस्थानी और हिंदी सिनेमा में कई फिल्म और टीवी सीरियल्स में काम कर चुके हैं।

आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने ली समीक्षा बैठक

-शहर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के दिये निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने शुक्रवार को निगम मुख्यालय पर शहरी सेवा शिविर के फोलोअप कैम्प, राजस्व अर्जन, अतिक्रमण, सफाई व्यवस्था सहित अन्य कई बिन्दओं पर विस्तार से अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त, समस्त जोन उपायुक्त, उपायुक्त गैराज, उपायुक्त सतर्कता, उपायुक्त राजस्व प्रथम, उपायुक्त आयोजना प्रथम, राजस्व अधिकारी, सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में आयुक्त ने 17 दिसम्बर 2025 से आयोजित हो रहे शहरी सेवा शिविरों के फोलोअप कैम्प के बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पट्टों से संबंधित लम्बित मामलों का जल्द ही निस्तारण करें। आयुक्त ने जोनवाईज यूडी टैक्स कलेक्शन एवं विज्ञापन शुल्क के बारे में भी जानकारी ली साथ ही नगरीय विकास कर के शत प्रतिशत लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिये। आयुक्त ने शहर की सफाई व्यवस्था के बारे में चर्चा करते हुये कहा कि जोन स्तर पर बारह बीट प्लान बनाये जा रहे है जिससे कि कोई भी एरिया सफाई से ना छूटे और शहर की सफाई व्यवस्था सुदृढ़ हो सके। इसके साथ ही आयुक्त ने सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित शिकायतों के तत्काल निस्तारण के साथ-साथ अस्थाई अतिक्रमणों एवं अवैध निर्माणों पर प्रभावी कार्यवाई करने के निर्देश दिये।

राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में खाली पदों पर भर्ती प्रक्रिया तेज करें : मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में खाली पड़े पदों पर जल्द ही नियमानुसार भर्ती करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कृषि शिक्षा के विस्तार और गुणवत्ता वृद्धि में कृषि विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए विश्वविद्यालयों में टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ की पर्याप्त उपलब्धता आवश्यक शर्त है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया तेज करें, एसओपी की पालना करें। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों के लिए कॉमन पात्रता, सिलेबस, परीक्षा के बिन्द भी देखने के भी निर्देश दिए। वीसी में दिल्ली से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद(आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. एम.एल.जाट भी जुड़े। इस भर्ती प्रक्रिया के सम्बध में शुक्रवार शाम को मुख्य सचिव ने राज्य के कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, राजस्थान के सभी विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं के साथ वी.सी. के माध्यम से बैठक ली। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में प्रक्रियागत पहलू, कानूनी मृद्दों, आईसीएआर और कार्मिक विभाग द्वारा समय-समय पर जारी सर्कुलरों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सभी विश्वविद्यालयों में कुल पद, खाली पद, भर्ती विज्ञापन, वर्तमान स्टेटस, कानूनी पहलुओं की समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कृषि और किसान के कल्याण के लिए संकल्पित अभिनव प्रयासों और पहलों को साकार करने में कृषि विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए एक तो कृषि शिक्षा का विस्तार हो, दूसरा लैब का ज्ञान कम से कम समय में खेत तक पहुंचे ताकि स्थानीय आवश्यकता के अनुसार बीज किस्म निर्धारण, मृदा परीक्षण के परिणाम के हिसाब से उवर्रक चयन, कम से कम पानी में सिंचाई पद्धति अपनाकर अपेक्षित परिणाम प्राप्त कर सकें। बैठक में कृषि विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती मंजू राजपाल, कृषि आयुक्त सुश्री चिन्मय गोपाल, उद्यानिकी आयुक्त श्रीमती शुभम चौधरी भी उपस्थित रहे।

अटल पथ की चौड़ीकरण को लेकर प्रशासन के आला अधिकारी पहुंचे ताला चौकी पर

-ताला चौकी पर एसडीएम ललित मीणा की अध्यक्षता में हुई मीटिंग

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। ताला कस्बे से निकलने वाला जयपुर प्रतापगढ़ स्टेट हाईवे (52) में चल रहा अटल पथ सड़क की चौड़ाई करण को लेकर प्रशासन द्वारा ताला चौकी पर सीएलजी सदस्यों एवं ग्रामवासियों की मीटिंग ली गई। जिसमें ग्रामवासियों द्वारा बताया गया कि 10 मीटर नहीं होकर 8 मीटर के लिए बोला गया ग्रामीणों द्वारा कहा गया कि 10 मीटर में बहुत ज्यादा नुकसान हो रहा है मकान-दुकान टुट रहे हैं कई गरीब मजदूर वर्क लोगों के पास रहने के लिए मकान नहीं बचेंगे, ग्रामीणों ने 8 मीटर सड़क निर्माण कार्य के लिए बोला गया। स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए बोला गया। प्रशासन द्वारा 9 मीटर तक चौड़ीकरण रखने की बात कही, सड़क चौड़ीकरण के लिए टीम गठित कर, रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही कि जाएगी। PWD सहायक अभियंता अमित शर्मा ने कहा कि नियमानुसार हमने 10 मीटर पर चिन्हित किया गया है, 7 मीटर सड़क, दोनों तरफ साईड नाली, इंटरलोकिंग ब्लाक के लिए जगह होती है जिसको लेकर हमने 10 मीटर पर चिन्हित किया गया है। इस दौरान जमवारामगढ़ एसडीएम ललित मीणा, तहसीलदार रामधन बिश्नोई, शाहपुरा एएसपी रघुवीर सिंह, जमवारामगढ़ डिप्टी रामकिशन बिश्नोई, रायसर थानाधिकारी हेमराज सिंह, ताला चौकी कांस्टेबल गोकुल कुमार, कांस्टेबल अमित कुमार, गिरदावर रामजीलाल मीणा, ताला पटवारी चन्द्रप्रकाश मीणा, जयचन्दपुरा पटवारी देवेन्द्र, पटवारी मुकेश यादव, ग्राम विकास अधिकारी सुरेश कुमार मीणा, कनिष्ठ लिपिक हेमचन्द मीणा,ताला सरपंच अमीर खां शेख़, सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

जयपुर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई: बाइक चोर गिरफ्तार, दो चोरी की मोटरसाइकिल और एक इंजन बरामद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मोटरसाइकिल चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो चोरी की बाइक और एक मोटरसाइकिल का इंजन बरामद किया है। आरोपी ने पूछताछ में कबूल किया कि वह मौज-मस्ती के लिए बाइक चोरी करता था।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैने (IPS) ने बताया कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की वारदातों को रोकने और अपराधियों की तुरंत गिरफ्तारी के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए थे। इसी के तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल के निर्देशन, एसीपी मालवीय नगर विनोद शर्मा की निगरानी और थानाधिकारी आशुतोष सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। मामला 27 सितंबर 2025 को सामने आया, जब परिवादी यश पारवानी ने रिपोर्ट दी कि उनकी मोटरसाइकिल RJ 60 SY 8162 GT स्टाफ पार्किंग से चोरी हो गई। इस पर केस नंबर 520/25 धारा 303(2) BNS में मुकदमा दर्ज कर जांच हेड कांस्टेबल अंगदराम को सौंपी गई। पुलिस टीम ने घटना स्थल का मुआयना किया, आसपास लगे CCTV कैमरों के फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। फुटेज विश्लेषण के दौरान कांस्टेबल हरिओम ने एक संदिग्ध की पहचान की, जिसके बाद पुलिस ने दीपक चौधरी उर्फ डी.डी. को डिटेन किया। पूछताछ में उसने थाना इलाके में तीन बाइक चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने दो चोरी की बाइक और एक मोटरसाइकिल का इंजन बरामद किया। गिरफ्तार आरोपी का नाम दीपक चौधरी उर्फ डी.डी., उम्र 21 साल, निवासी ग्राम हीरा नगर, नीमकाथाना, जिला सीकर है। पुलिस टीम में थानाधिकारी आशुतोष सिंह, हेड कांस्टेबल अंगदराम, कांस्टेबल हरिओम और कांस्टेबल मुकेश कुमार शामिल थे। पुलिस अब आरोपी के आपराधिक इतिहास और किसी गैंग से जुड़ाव की संभावना की जांच कर रही है।

राजीविका द्वारा "मिशन समृद्ध दीदी" का शुभारंभ

– ग्रामीण क्षेत्रों में SHG क्रेडिट लिंकिंग और उद्यम विकास को मिलेगा नया आयाम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजीविका (राजस्थान राज्य ग्रामीण आजीविका विकास परिषद) ने शुक्रवार को राज्य स्तर पर एक माह तक चलने वाले विशेष अभियान "मिशन समृद्ध दीदी" का शुभारंभ किया। इस अभियान का उद्देश्य स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिलाओं को समय पर बैंक ऋण उपलब्ध कराना, महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को बढ़ावा देना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल वित्तीय समावेशन को सुदृढ़ करना है। इस अभियान का औपचारिक शुभारंभ श्रीमती स्मृति शरण, संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीमती नेहा गिरि राज्य मिशन निदेशक, राजीविका भी उपस्थित रहीं।

वर्चुअल लॉन्च कार्यक्रम में SLBC प्रतिनिधियों, प्रमुख बैंक अधिकारियों, सभी जिला परियोजना प्रबंधकों (DPMs), जिला एवं ब्लॉक मिशन इकाइयों, तथा राजीविका के सभी फील्ड एवं SPMU टीमों ने सहभागिता की, जिससे ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति एकजुट संकल्प का संदेश गया। मिशन समृद्ध दीदी का मुख्य उद्देश्य SHG महिलाओं को समय पर बैंक क्रेडिट से जोड़ना, मौजूदा एवं नए उद्यमों को प्रोत्साहित करना, और जिला स्तरीय टीमों व बैंक संस्थानों के बीच समन्वय को मजबूत करना है। अभियान में सुरक्षित कैशलेस लेनदेन, डिजिटल वित्तीय साक्षरता, BC सखी द्वारा घर-घर बैंकिंग सेवाएँ, तथा उद्यमियों के लिए सामाजिक सुरक्षा एवं परिसंपत्ति बीमा पर विशेष जोर दिया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने वित्तीय समावेशन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह ग्रामीण महिलाओं को सतत आजीविका बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अधिक मजबूत व लचीला बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अगले एक महीने तक राजीविका की जिला एवं ब्लॉक इकाइयाँ बैंकों और SHG नेटवर्क के साथ मिलकर मैदानी सत्यापन, बैंक समन्वय, उद्यम समर्थन, एवं दैनिक प्रगति रिपोर्टिंग के माध्यम से अभियान के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में कार्य करेंगी। मिशन समृद्ध दीदी एक मजबूत, डिजिटल रूप से सक्षम और उद्यम-तैयार SHG पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, जो एक अधिक सशक्त और समृद्ध राजस्थान की दिशा में अग्रसर है।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई, 12 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में शुक्रवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में एस.एम.एस, ट्रोमा, राम गली नं. 01 राजापार्क, दुर्गापुरा पुलिया के नीचे, बी.एस.एन.एल ऑफिस के सामने दुर्गापुरा, जे.एल.एन मार्ग ओ.टी.एस चौराहा, बियानी कॉलेज के रोड़, विद्याधर नगर, मुरलीपुरा स्कीम सब्जी मण्डी के पीछे, 5 नबंर पुलिया, लोहा मण्डी रोड़ एवं वैद्य की चौराहा मुरलीपुरा, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, खंदा का रास्ता, कायमजी का रास्ता से ईदगाह बाजार तक, किशनपोल बाजार, चौड़ा रास्ता, गलता गेट, जौहरी बाजार, चांदपोल सर्किल, आमेर रोड, न्यू सांगानेर रोड, नन्दपुरी, विवेक विहार, रामनगर, सी स्कीम, हवामहल बाजार, लूणियावास, ठाकुर पचेवर जी का रास्ता आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 93 हजार 300 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 12 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में एस.एम.एस, ट्रोमा, राम गली नं. 01 राजापार्क, दुर्गापुरा पुलिया के नीचे, बी.एस.एन.एल ऑफिस के सामने दुर्गापुरा, जे.एल.एन मार्ग ओ.टी.एस चौराहा, बियानी कॉलेज के रोड़, विद्याधर नगर, मुरलीपुरा स्कीम सब्जी मण्डी के पीछे, 5 नबंर पुलिया, लोहा मण्डी रोड़ एवं वैद्य की चौराहा मुरलीपुरा, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, खंदा का रास्ता, कायमजी का रास्ता से ईदगाह बाजार तक, किशनपोल बाजार, चौड़ा रास्ता, गलता गेट, जौहरी बाजार, चांदपोल सर्किल, आमेर रोड, न्यू सांगानेर रोड, नन्दपुरी, विवेक विहार, रामनगर, सी स्कीम, हवामहल बाजार, लूणियावास, ठाकुर पचेवर जी का रास्ता आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 12 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 93 हजार 300 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

जयपुर (पूर्व) अल्पसंख्यक कांग्रेस के ज़िला अध्यक्ष बने असलम कुरैशी

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष व राज्य सभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने बुधवार को राजस्थान के समस्त 50 जिले के अध्यक्षों के नामो कि घोषणा कि है जिसकी अनुसंशा प्रदेश अध्यक्ष एम. डी चोपदार ने की। जिसमे जयपुर (पूर्व) से असलम कुरैशी को जिला अध्यक्ष बनाया हैं। अध्यक्ष बनने पर कुरैशी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी, प्रदेश अध्यक्ष एम डी चोपदार, शाहपुरा विधान सभा क्षेत्र के विधायक मनीष यादव,प्रवीण व्यास, अनिल चोपड़ा का धन्यवाद किया। क़ुरैशी ने कहा कि जो जिम्मेदारी मुझे मिली हे उसे ईमानदारी से निभाने की पूरी कोशिश करूंगा और कड़ी से कड़ी जोड़कर कार्यकर्ताओं ओर बुजुर्गों का सम्मान कायम रखूंगा। क़ुरैशी का कई स्थानों पर भव्य स्वागत किया जारहा है।

जयपुर विकास प्राधिकरण ने जोन-12 में तीन अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-12 में कालवाड रोड़, जोबनेर रोड़, मण्डा भोपावास, टोंक रोड़, गोपालपुरा बाईपास, जिला जयपुर शहर में ओचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी द्वारा कालवाड रोड़, जोबनेर रोड़, मण्डा भोपावास, टोंक रोड़, गोपालपुरा बाईपास, जिला जयपुर शहर में ओचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई। निरीक्षण के दौरान मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन, उपनियंत्रक प्रवर्तन प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा प्रवर्तन अधिकारी जोन-12, 02, 09, 13 भी उपस्थित रहे। निरीक्षण करने पर ग्राम सरना डूंगर, जिला जयपुर में मंदिर माफी की करीब 16 बीघा भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाई जाने पर उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में आज दिनांक 12.12.2025 को प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारम्भिक स्तर पर ही ध्वस्त किया गया। ग्राम कालवाड़ रोड़, जिला जयपुर में जोबनेर रोड़ कालवाड़ बस स्टेण्ड पर करीब 11 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बसाई जा रही नवीन अवैध कॉलोनी को पूर्व में दो बार ध्वस्त किया गया था। उक्त कृषि भूमि पर पुनः बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाई जाने पर उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते जेसीबी मशीन की सहायता से प्रारम्भिक स्तर पर ही पुनः ध्वस्त किया गया। ग्राम मण्डा, भोपावास, कालवाड़ रोड़ जिला जयपुर में करीब 40 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयोजनार्थ मिट्टी डाली जा रही थी, जिसे मौके पर ही श्रीमान् उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा प्रारम्भिक स्तर पर ही रूकवाया गया। नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन शिल्पा चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-12, 02, 11, 09, 13 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2025 में 370 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनियों बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/ 108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

घड़साना पुलिस में हलचल — एडिशनल एसपी रामेश्वर लाल मेघवाल का अचानक औचक निरीक्षण

-मुख्य मार्गों पर पैदल गश्त, पुलिस लाइन से लेकर थाने तक व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच

निशान सतराना

घड़साना (रॉयल पत्रिका)। घड़साना में शुक्रवार देर शाम पुलिस महकमे में उस वक्त हलचल मच गई जब एडिशनल एसपी रामेश्वर लाल मेघवाल बिना पूर्व सूचना के अचानक थाने पहुंच गए। निरीक्षण के बाद उन्होंने मुख्य बाजार और भीड़भाड़ वाले इलाकों में खुद पैदल चलकर गश्त भी की—जिससे पुलिस की कार्यशैली को नई ऊर्जा और जिम्मेदारी का संदेश गया।

एडिशनल एसपी रामेश्वर लाल मेघवाल पहुचे घडसाना:

घड़साना स्थानीय पुलिस महकमे में शुक्रवार शाम उस समय हलचल तेज़ हो गई, जब एडिशनल एसपी रामेश्वर लाल मेघवाल ने बिना किसी पूर्व सूचना के घड़साना पुलिस थाने और आसपास के सुरक्षा इंतज़ामों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की, रिकॉर्ड, वाहन स्टैंड, हथियारागार, मालखाना सहित विभिन्न व्यवस्थाओं को बारीकी से जांचा। ड्यूटी पर तैनात कर्मियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी जानी। निरीक्षण के बाद एडिशनल एसपी मेघवाल मुख्य बाज़ार, नई मंडी क्षेत्र और प्रमुख मार्गों पर खुद पैदल चलकर गश्त के लिए निकले। गश्त के दौरान उन्होंने दुकानदारों और राहगीरों से स्थानीय कानून-व्यवस्था को लेकर फीडबैक लिया और पुलिस की सतर्कता बढ़ाने के निर्देश भी जारी किए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और आम जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है। पुलिस

की मौजूदगी सड़क पर दिखनी चाहिए, जिससे जनता का भरोसा और अपराधियों में भय बना रहे। अचानक किए गए इस निरीक्षण और पैदल गश्त से क्षेत्र के लोगों में सुरक्षा का संदेश गया, वहीं पुलिस कर्मियों में भी सतर्कता बढ़ी है।

चूरू में 'बढ़ता राजस्थान' विकास रथों को मंत्री अविनाश गहलोत ने दिखाया हरी झंडी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत शुक्रवार को चूरू आए और जिला परिषद परिसर से प्रदेश सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में 'बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान' थीम आधारित विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर विधानसभा क्षेत्रों के लिए रवाना किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार ने दो वर्षों में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि यह विकास रथ जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में जाकर प्रदेश सरकार की नीतियों, उपलब्धियों व गतिविधियों का प्रचार-प्रसार करेंगे और आमजन को जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जागरूक करेंगे। इन योजनाओं के बारे में भी जागरूक करेंगे। इन विकास रथों में सुझाव पेटिका भी रखी गई है।

आमजन विकास कार्यों, नीतियों संबंधित नीतियों अपने मूल्यवान सुझाव इसमें दे सकते हैं। प्रदेश सरकार इन सुझावों पर अमल कर विशेष प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में हमारी सरकार गरीब, युवा, महिला व किसान वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न जनभागीदारी के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आमजन इन कार्यक्रमों में अधिकाधिक भागीदारी निभाएं तथा हम सब मिलकर विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करें। इस मौके पर चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, एडीएम अर्पिता सोनी, सीईओ श्वेता कोचर, बसंत शर्मा, महेन्द्र न्यौल, दीपचंद राहड़, एसीईओ भागचंद खारिया, सांख्यिकी उपनिदेशक डॉ. आरजी सेपट, ओम सारस्वत, भास्कर शर्मा, दीनदयाल सैनी, डॉ. कौशल पूनिया, सुरेश सारस्वत, सीपी शर्मा, विमला गढ़वाल, नरेन्द्र काछवाल, दौलत तंवर, मोहन गढ़वाल, रचना कोठारी, दिनेश शर्मा, नरेन्द्र सैनी, बलबीर ढाका, धर्मेन्द्र राकसिया, अख्तर खान, मुरारी सैनी, सुरेश मिश्रा, आकाश सैनी, रवि दाधीच, महेश मिश्रा सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारी व आमजन मौजूद रहे।

नवनियुक्त पुलिस उप अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह का किया स्वागत

अंता (रॉयल पत्रिका)। मांगरोल भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष जय प्रकाश सुमन, बारां जिले के पूर्व जिला आई टी सेल प्रभारी सोशल मीडिया भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मोहम्मद इलियास मांगरोल ने अंता उपअधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पुष्पेंद्र सिंह का पदभार ग्रहण करने पर माला पहनाकर साफा बंधन कर मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष जय प्रकाश सुमन ने कहा कि पूर्व में पुष्पेंद्र सिंह मांगरोल थानाधिकारी भी रह चुके हैं इनके

नेतृत्व में कानून व्यवस्था अच्छी रही थी और ईमानदारी से अपना कार्य किया था। अब फिर से इन्हें अंता की कमान सौंपी गई है।

महारैली की तैयारी के लिए कांग्रेस की बैठक संपन्न

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नई दिल्ली में 14 दिसंबर 2025 को आयोजित "वोट चोर,गद्दी छोड़" महारैली में अधिकतम तथा प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस अध्यक्ष सवाई माधोपुर इंदिरा मीणा के द्वारा नियुक्त सवाई माधोपुर प्रभारी लईक अहमद ने अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए। मलारना क्षेत्र के प्रभारी प्रधान देवपाल मीणा के साथ सवाई माधोपुर में आज माता जी के मंदिर, ग्राम खिरनी एवं सिविल लाइन स्थित कांग्रेस कार्यालय बजरिया में बैठक आयोजित की। प्रभारी लईक अहमद ने बताया कि इस रैली में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने एवं लोकतंत्र तथा संविधान को बचाने की लड़ाई में ज्यादा से ज्यादा संख्या में रामलीला मैदान दिल्ली पहुंचने का संकल्प लिया गया है। कांग्रेस में प्रत्येक कार्यकर्ता इस रैली में अपनी जनभागीदारी जिम्मेदारी से निभाने लिए तैयार है।

अभिभाषक परिषद बारां के चुनाव संपन्न, ओम प्रकाश भारद्वाज अध्यक्ष निर्वाचित

-अधिवक्ता फिरोज खान के सभी विजय पदाधिकारियों को साफा और माला पहनाकर दी जीत की बधाई

बारां (रॉयल पत्रिका)। अभिभाषक परिषद बारां के पूर्व सतर्कता सदस्य अधिवक्ता फिरोज खान ने बताया कि शुक्रवार 12 दिसंबर को अभिभाषक परिषद बारां के चुनाव संपन्न हुए, जिसमें अध्यक्ष पद पर ओमप्रकाश भारद्वाज महामंत्री पद पर जितेन्द्र नागर, सहमंत्री पद पर प्रियांशु शर्मा, अंकेक्षक पद पर मुरारी लाल एयरवाल, पुस्तकालय मंत्री पद पर भगवती नागर को जीत प्राप्त हुई। वही निर्विरोध विजयी होने वाले सदस्यों में उपाध्यक्ष पद पर दूल्हे सिंह गौड, कोषाध्यक्ष पद पर

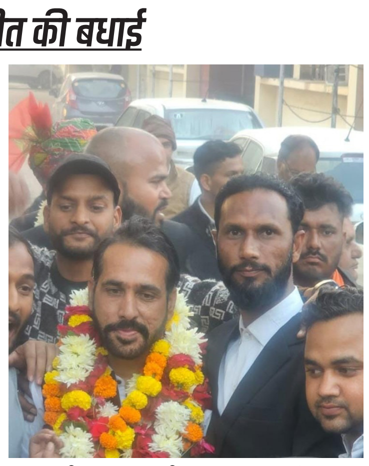

धेर्य नागर, सतर्कता आयुक्त गोविंद सिंह चौधरी, एवं सतर्कता सदस्य सचिन शर्मा व अमन गोस्वामी निर्विरोध विजयी रहे। विजय होने के पश्चात सभी पदाधिकारियों का अधिवक्ता फिरोज खान द्वारा माला ओर साफा पहनाकर मुंह मीठा करवाकर जोरदार स्वागत सत्कार किया। मुख्य चुनाव अधिकारी अधिवक्ता हरिओम अग्रवाल व सहायक चुनाव अधिकारी अधिवक्ता वीरेंद्र कुमार अग्रवाल व संजय नागर, अतिरिक्त सहायक चुनाव अधिकारी राजेंद्र सुमन और अधिवक्ता फिरोज खान ने सभी विजयी उम्मीदवारों को बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक जांगिड़ पदम ग्रुप के सौजन्य से की साइकिल यात्रा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कश्मीर से कन्याकुमारी के लिए साइकिल से ललित जांगिड़ एवं निखिल जांगिड़ को नेचर पार्क चूरू से भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा, अखिल भारतीय विश्वकर्मा क्षेत्र में युवा संघ राष्ट्रीय महासचिव बी एन राजोतिया विक्रम कोटवाद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। चूरू व पलसाना के दो युवक पेड़ बचाओ, पानी बचाओ, गौ सेवा और मानव सेवा का संदेश देने के लिए 25 दिन में कश्मीर से कन्याकुमारी की साईकिल यात्रा करेंगे। चूरू के 38 वर्षीय ललित जांगिड़ और पलसाना के 31 वर्षीय निखिल जांगिड़ करीब 4000 किमी का सफर तय करेंगे। दोनो युवक 12 दिसंबर 2025 को नेचर पार्क से रवाना होकर और 14 दिसंबर को श्रीनगर पहुंचकर 15 दिसंबर को यात्रा शुरू करेंगे। यह यात्रा देश के सबसे लम्बे हाईवे NH44 से होते हुए 25 दिन बाद कन्याकुमारी पहुंचेगी। इससे पहले ललित ने चूरू से लेह लद्दाख की साईकिल यात्रा की है और निखिल जांगिड़ की यह पहली यात्रा होगी। यह यात्रा 8 राज्य से होकर गुजरेगी और

इस यात्रा में कई बार मौसम का बदलाव देखने को मिलेगा। ललित ने बताया कि मेरी इस यात्रा को पदम् ग्रुप ने स्पॉन्सर किया है में धन्यवाद देना चाहता हु कानाराम कुलरिया (सुथार) शंकर कुलरिया(सुथार) और धर्म कुलरिया (सुथार)को जिन्होंने मुझे आगे बढ़ने का साहस दिया ललित ने बताया कि जब कुलदेवी और कुल देवता के साथ माता पिता एवं संतो गोलोक वासी संत श्री पदमाराम कुलरिया (सुथार)का साथ हो तो कोई भी यात्रा अधूरी नहीं रहती और जल्द ही वो इस यात्रा को पूरा करके चूरू वापस लौटेंगे ललित ने बताया कि इस तरह की यात्राएं होती रहनी चाहिए जिससे लोगों में जागरूकता बनी रहे दोनों युवक पर्यावरण संरक्षण गौसेवा और मानव सेवा को लेकर लोगों को जागरूक करेंगे ललित ने बताया कि पदम् ग्रुप ने गौसेवा और मानव सेवा के लिए देश और दुनिया में अच्छा योगदान दिया है ललित ने बताया कि इस यात्रा के बाद एक बार फिर से लद्दाख यात्रा करेंगे उसके बाद नेपाल भूटान और श्रीलंका की यात्रा भी करेंगे। रवाना होने से पूर्व माला बनाते हुए बालकिशन दास, दीनदयाल सैनी, सुधीर शर्मा, महावीर मिश्रा, संजय जांगिड़, डॉक्टर कमल वशिष्ठ,शंकर लाल सैनी, गणपति सैनी, मनीष आचार्य, रामवतार जांगिड़, आकाश सिंगल, सुरेन्द्र अनिल प्रजापत, गोपाल सोनी, हिमांशु जांगिड़ आदि बड़ी संख्या में लोगों ने दुपट्टा विश्व कप की प्रतिमा है पुश वाला बनाकर यात्रा की शुभकामनाएं दी।

भाजपा सरकार के 2 साल में जनता बदहाल : जमील चौहान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुवे, चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने कहा, भाजपा सरकार के दो साल जनता बदहाल। राज्य सरकार दो साल की उपलब्धि मनाकर फ़िज़ूल खर्च कर झूठी वाही वाही लूटना चाहती है, धरातल पर विकास के नाम पर कुछ नहीं, सड़के बदहाल, क़ानून व्यवस्था चौपट, अस्पतालों में पूरी दवाईयां नहीं, किसान ओर युवा बेरोजगार परेशान फिर भी राज्य सरकार जश्न मनाकर जनता की गाढ़ी कमाई से टैक्स का पैसा पानी की तरह बहा रही है। चौहान ने कहा जब से सरकार बनी हैं तब से आए दिन अभियान चालू रहता हैं, इससे जनता का कोई भला नहीं हो रहा है, ओर ना ही कोई अधिकारी

ऑफिसों में मिलते है, रटा रटाया जवाब आफिसों में आमजन को मिलता है, साहब अभियान में गए हुवे हैं, जनता भटकती रहती हैं। यह सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही हैं। जमील चौहान ने बताया कि पर्ची से बनी सरकार का जनता के प्रति कोई जवाबदेही नही है। ये सरकार हर मोर्चे पर विफल हैं।

जिला प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रेस वार्ता में रखे सरकार के दो वर्ष के उपलब्धि-सूत्र

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर प्रभारी मंत्री ने विकास रथों को हरी झंडी दिखाने के बाद जिला परिषद सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि प्रदेश सरकार ने दो वर्षों में सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, रोज़गार, आधारभूत ढांचे और महिलाओं - बच्चों के कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां दर्ज की हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के 02 वर्ष सुशासन, विकास और विश्वास के 02 वर्ष हैं। पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशील प्रशासन सरकार की पहचान रही है तथा आगे भी इसी मंत्र पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने संकल्प पत्र को नीतिगत दस्तावेज बनाकर दो वर्षों में ही 70 प्रतिशत से अधिक वादों को पूरा किया है। हमारे संकल्प पत्र में कुल 392 संकल्प शामिल थे, जिनमें से 274 संकल्प पूर्ण या प्रगतिरत हैं। हमने 73 प्रतिशत बजट घोषणाओं को पूरा करने का काम किया है। राजस्थान 11 राष्ट्रीय परियोजनाओं में प्रथम, 05 योजनाओं में द्वितीय व 09 योजनाओं में तृतीय स्थान पर

है। हमारी सरकार ने योजनाओं को धरातल पर उतारकर जनता तक सीधा लाभ सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा मीडिया शासन प्रशासन और आमजन सामूहिक भागीदारी से विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करेंगे। मीडिया विश्लेषण के साथ प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जनता के समक्ष रखे और प्रचार-प्रसार कर समाज के प्रत्येक वर्ग तक बात पहुंचाए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने यमुना जल समझौते के माध्यम से शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का पानी लाने का काम किया है। एलाइनमेंट पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चूरू में राइजिंग राजस्थान के 93 एमओयू में 59 की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। चूरू में कृषि महाविद्यालय खोला गया है। इसके साथ ही सभी योजनाओं की नियमित मॉनीटरिंग से समुचित लाभजिलेवासियों को दिया जा रहा है। चूरू विधायक हरलाल सहारण ने चूरू विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के बारे में चर्चा की। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने बताया कि विकास रथों के सफल संचालन के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार कर ली गई है। सभी उपखंड अधिकारियों व विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में रथों के स्वागत, जनजागरूकता कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों को समयबद्ध और सुचारू ढंग से संपादित करेंगे।

होटल में अवैध गतिविधियों के संचालन के मामले में 08 गिरफ्तार

चूरू/सरदार शहर (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आईपीएस ने बताया कि महानिरीक्षक महोदय बीकानेर रेंज बीकानेर द्वारा नशाखोरी/ अवैध आर्म्स, अवैध शराब विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण एवं उन्मूलन के लिये अवैध मादक पदार्थ एवं अवैध आर्म्स, अवैध शराब विक्रय, अनैतिक कार्य के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू सुनिल कुमार आरपीएस व वृताधिकारी सरदारशहर कुलदीप वालिया आरपीएस के सुपरविजन में थानाधिकारी पुलिस थाना सरदारशहर मदनलाल बिश्नोई थानाधिकारी सरदारशहर के नेतृत्व में कार्यवाही की गयी है। 11.दिसमबर.2025 को पुलिस थाना सरदारशहर पर सुचना मिली की कस्बा सरदारशहर में रोडवेज बस स्टेण्ड के पिछे वाली गली में स्थित शांती प्लेस होटल मे अवैध गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है बाहर से लडकिया लाई जाकर अवैध गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। जिस पर प्रदीप कुमार मय जाप्ता के शांती प्लेस होटल नजद रोडवेज बस स्टेण्ड कस्बा

सरदारशहर पहुँच कर दबीस दी जाकर होटल में चैकिंग की गई तो होटल में अवैध गतिविधियों का संचालन होना पाया गया। दौराने चैकिंग अवैध गतिविधियों में सलिप्त गैरसायलान 1. प्रवीण पुत्र बालकिशन जाति नाई उम्र 49 साल निवासी वार्ड नम्बर 10 गली नम्बर 06 ढाणी किशनदत हिसार पुलिस थाना मिलगेट हिसार जिला हिसार हरियाणा 2. ओमप्रकाश सहारण पुत्र गणेशाराम जाति जाट उम्र 48 साल निवासी नाहरसरा पुलिस थाना सरदारशहर जिला चूरू 3. किशन नायक पुत्र सुल्तान जाति नायक उम्र 31 साल निवासी आड़सर पुलिस थाना श्री डूंगरगढ़ जिला बीकानेर। 4. पतराम मेघवाल पुत्र रेखाराम जाति मेधवाल उम्र 28 साल निवासी खेजड़ा पुलिस थाना भानीपुरा जिला चूरू 5. सुरेन्द्र नायक पुत्र रामप्रताप जाति नायक उम्र 22 साल निवासी बंधनाऊ पुलिस थाना सरादारशहर जिला चूरू व 6. सुरेश नायक पुत्र श्रवण कुमार जाति नायक उम्र 23 साल निवासी बंधनाऊ पुलिस थाना सरादारशहर जिला चूरू, गैरसायला 7. श्रीमती सोभा देवी पत्नी हरिबाबु जाति हरिजन उम्र 40 साल निवासी गली नम्बर 09 पार्ट 02 मुकंदपुर पंसाली उतर पश्चिमी दिल्ली पुलिस थाना भड़सुआ दिल्ली व 08. आल्या खॉन पुत्री मोहम्मद शहीदरजा जाति अंसारी मुसलमान उम्र 23 साल निवासी मोधल्पुरा छोटी बाजार जामा मस्जीद पटना सीटी पुलिस थाना आलमगंज पटना बिहार को गिरफ्तार किया गया। कस्बा सरदारशहर के होटल संचालको को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी होटल मे अवैध गतिविधियों का संचालन पाये जाने पर शख्त विधिनुसार कानुनी कार्यवाही अमल में ली जावेगी।

काजी बिरादरी के होनहार छात्र-छात्राओं को सम्मानित करेंगी काजी वेलफेयर सोसायटी

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। काजी वेलफेयर सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कादिर हुसैन ने बताया कि 14 दिसम्बर रविवार 2025 को काजी वेलफेयर सोसायटी के द्वारा प्रथम राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह सीकर में ख्वाजा गरीब नवाज अस्पताल एवं नर्सिंग कॉलेज के आडिटोरियम में कर रहे है। जिसमें मुख्य अतिथि हिदायत खान धोलिया पुर्व चैयरमेन राजस्थान मदरसा बोर्ड जयपुर, मुख्य वक्ता खादिम हुसैन खत्री, अध्यक्षता डॉ. कादिर हुसैन, विशिष्ट अतिथि में डॉ. परवीन बानू सहायक प्रोफेसर, अहमद अल्काजी, आज़म सदीक काजी, रज्जब अली चौहान, समीर खत्री, सलीम खान सहायक निदेशक अभियोजन विभाग, डॉ. शौकिन अली, श्रीमती रुखसाना बानू उपसभापति नगर पालिका उदयपुरवाटी रहेंगे। काजी वेलफेयर सोसायटी के प्रदेश सचिव शिक्षाविद् खादिम हुसैन खत्री ने बताया कि प्रथम प्रदेश

स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में 270 छात्र छात्राओं के साथ-साथ समाज में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वालों को सम्मानित किया जायेगा। आज शाम को काजी वेलफेयर सोसायटी की प्रबंधकारिणी की मिटिंग केजीएन अस्पताल एवं नर्सिंग कॉलेज फतेहपुर रोड़ सीकर में हुई जिसमें सम्मान समारोह से सम्बंधित विस्तार से चर्चा हुई। इस मिटिंग में डॉ. कादिर हुसैन, खादिम हुसैन खत्री, रज्जब अली चौहान, मुकारब अली खत्री, असलम अली चौहान, रुस्तम अली कांट, मनवर अली चौहान आदि उपस्थित रहे।

घांघू के शूटर मैत्रेय ने नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप तीन श्रेणियों में किया क्वालीफाई

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव घांघू के शूटर कुमार मैत्रेय ने भोपाल की मध्यप्रदेश स्टेट शूटिंग एकेडमी में चल रही 68 वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप की 10 मीटर राईफल शूटिंग में बेहतर प्रदर्शन करते हुए सब यूथ, यूथ और जूनियर श्रेणियों में नेशनल क्वालीफाई किया है। इससे पूर्व पिछले साल भोपाल में हुई नेशनल चैंपियनशिप में मैत्रेय ने सब यूथ और यूथ श्रेणी में नेशनल क्वालीफाई किया था उल्लेखनीय है कि मैत्रेय घांघू ग्राम पंचायत प्रशासक विमला देवी और पूर्व जीएसएस अध्यक्ष परमेश्वर लाल दर्जी के पौत्र हैं। मैत्रेय ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच करणवीर सिंह, अपने पिता कुमार अजय, माँ पूजा को दिया है। चूरू केंद्रीय विद्यालय में कक्षा 10 के विद्यार्थी मैत्रेय फिलहाल चूरू जिला स्टेडियम स्थित चिंकारा शूटिंग रेंज में अभ्यास कर रहे हैं। मैत्रेय ने बताया कि उनका सपना देश के लिए खेलने और मेडल जीतने का है। उन्होंने बताया कि भोपाल में चल

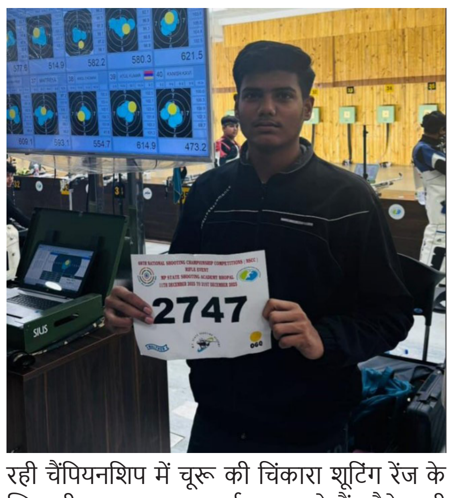

रही चैंपियनशिप में चूरू की चिंकारा शूटिंग रेंज के खिलाड़ी बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। मैत्रेय की सफलता पर घांघू के ग्रामीणों, खेलप्रेमियों, शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

सुचारू एवं निष्पक्ष रूप से संचालित हो फसल तुलाई कार्य : सुराणा

-जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने किया सरदारशहर कृषि उपज मंडी का निरीक्षण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को जिले के सरदारशहर स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में क्रय विक्रय सहकारी समिति का निरीक्षण किया तथा परिसर में एमएसपी पर चल रही मूंग व मूंगफली खरीद व तुलाई का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसानों की फसल उपज को निर्धारित मापदंड के अनुरूप समय पर खरीद की जाए तथा तुलाई गति को बढ़ाते हुए सुनिश्चित करें कि तुलाई कार्य सुचारू एवं निष्पक्ष रूप से संचालित हो और किसानों को अनावश्यक परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की फसल उपज के सैम्पल क्लियर हैं एवं पैरामीटर के अनुरूप सही हैं, उनकी फसल खरीद समयबद्ध ढंग से की जाए। किसानों को विभागीय सेवाओं का समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से समुचित लाभ मिले। नियमानुसार एमएसपी पर फसल खरीद की जाए। खरीद सेंटर पर पानी, छाया सहित आवश्यक सेवाओं की सुविधा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मौजूद किसानों से संवाद किया तथा तुलाई, खरीद और मूंग व मूंगफली की गुणवत्ता के बारे में फीडबैक लिया। समिति के व्यवस्थापक आकिब जावेद ने व्यवस्थाओं व तुलाई की जानकारी दी। इस दौरान सरदारशहर एसडीएम रामकुमार वर्मा भी साथ रहे।

3 ई छोटी में एडीजे सुथार ने जनोपयोगी सेवाओं के बारे में किया जागरूक

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय रालसा, जयपुर के तत्वावधान में एक राज्यव्यापी विशेष अभियान "न्याय आपके द्वार-लोक उपयोगी समस्याओं का सुलभ एवं त्वरित समाधान" के सम्बंध में 3 ई छोटी में रविन्द्र कुमार (माननीय जिला एवं सेशन न्यायाधीश), अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में सचिव रवि प्रकाश सुथार (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) द्वारा गुरूवार को विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान वेद प्रकाश टाक सदस्य ग्रामीण विकास मंत्रालय, मनीष प्रजापति समाजसेवी, वार्ड निवासी लालचंद, डॉ संतलाल आदि द्वारा शिविर की सम्पूर्ण व्यवस्था व पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया। शिविर के दौरान एडीजे ने बताया कि राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा पूरे प्रदेश में लोक उपयोगी समस्याओं का सुलभ एवं त्वरित समाधान के सम्बंध में एक अभियान प्रारम्भ किया गया है। शिविर के दौरान मौके पर उपस्थित मोहल्लेवासियों को लोकउपयोगी सेवायें यथा सड़क, रेल द्वारा यात्रियों या माल के परिवहन के लिए सेवा, बिजली या पानी की आपूर्ति, लोक स्वच्छता या स्वास्थ्य रक्षा की प्रणाली अस्पताल या डिसपेंसरी में स्वास्थ्य संबंधी सेवायें, बीमा सेवा, बैंक तथा वित्तीय संस्था सेवाएं, एलपीजी सेवा, शैक्षिक अथवा शैक्षणिक संस्थानों तथा आवासीय एवं भू-सम्पदा सेवाओं से सम्बंधित किसी की कोई समस्या हो तो उसके निराकरण हेतु रालसा की वेबसाईट https://rajasthan.nalsa.gov.in से फार्म डाउनलोड कर प्रार्थना पत्र भरकर सीधे ही रालसा के व्हाट्अप हेल्पलाईन नं. पर 9119365734 पर भिजवा सकते हैं या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में व्यक्तिशः उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। उक्त जन लोक उपयोगी सेवाओं से सम्बंधित शिकायत या समस्या के लिए प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता से अधिवक्ता उपलब्ध करवाया जायेगा जो पक्षकार की शिकायत या समस्या के निराकरण हेतु जिला स्थाई लोक अदालत श्रीगंगानगर में प्रकरण दायर करेगा, जिसके लिए पक्षकार से कोई शुल्क या फीस नहीं ली जायेगी। इस दौरान उपस्थित मोहल्लावासियों को पालना गृह के बारे में बताया कि यदि किसी को भी कभी गली, सड़क या झाड़ियों को कोई नवजात शिशु पड़ा हुआ मिले तो उसे तुरन्त राजकीय चिकित्सालय श्रीगंगानगर या राजकीय सम्प्रेक्षण गृह में संचालित पालना में छोड़ने का प्रयास करें ताकि किसी नवजात की जिंदगी बचाई जा सके। इस दौरान रोहताश यादव एवं अमन चलाना द्वारा उपस्थित नागरिकों को निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

ज़िला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

जालौर (रॉयल पत्रिका)। ज़िला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में ज़िला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने कहा कि जिले में यातायात एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत और प्रभावी बनाने के लिए कार्य करें। उन्होंने राज्य सरकार के निर्देशानुसार ज़िले में संचालित सड़क सुरक्षा अभियान को प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित करने हेतु परिवहन, पुलिस और सार्वजनिक निर्माण विभाग को संयुक्त रूप से टीम का गठन करते हुए कार्य करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करवाने के साथ ही दुर्घटनाओं में जनहानि को रोकने के लिए सभी संबंधित विभाग मिलकर कार्य करें। जिला कलक्टर ने परिवहन और पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे ओवरलोडिंग एवं अनाधिकृत वाहनों के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही करें। उन्होंने सड़क पर दौड़ते लोडिंग वाहनों जैसे हैवी डम्पर, ट्रक, ट्रैक्टर इत्यादि के पीछे रेडियम निर्मित रिफ्लेक्टर टेप इत्यादि लगवाने की बात कही। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को सड़कों पर अनाधिकृत मुड़ाव को हटाने, सड़कों पर व्हीकल लेन, जेब्रा क्रासिंग इत्यादि के अंकन हेतु व्हाइट लाइन पेंट करवाने एवं सड़क किनारे झाड़ियों की कटाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही। जिला कलक्टर ने सड़क सुरक्षा की दृष्टि से राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर संचालित अवैध ढाबों व बेतरतीब पार्किंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों को शहर की सड़कों पर अवरोधों के रूप में आने वाले निराश्रित पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर छोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिवहन, पुलिस और सार्वजनिक निर्माण विभाग संयुक्त रूप से मिलकर समय-समय पर यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं।

जिला कलक्टर ने सड़क सुरक्षा की दिलाई शपथ

बैठक में जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने उपस्थित विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा को लेकर स्वयं जागरूक रहने व दूसरों को जागरूक करने को लेकर शपथ दिलाई। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, नगर परिषद आयुक्त दिलीप माथुर, जिला परिवहन अधिकारी ओमप्रकाश चौधरी, डीटीओ भीनमाल ओमसिंह शेखावत सहित संबंधित विभागीय अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं प्लेसमेन्ट ड्राइव में 10 विद्यार्थियों का मौके पर चयन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, सवाई माधोपुर में गुरुवार को जापानी कम्पनी मिकुनी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा उत्पादक रख-रखाव एवं 5एस विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं प्लेसमेन्ट ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कम्पनी प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता का मूल्यांकन किया तथा 10 विद्यार्थियों का मौके पर ही चयन कर उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान किए।

महाविद्यालय के एटीपीओ अविनाश शर्मा ने बताया कि कॉलेज की गुणवत्ता एवं कौशल आधारित शिक्षा से प्रभावित होकर भविष्य में कई और कम्पनियां भी प्लेसमेन्ट ड्राइव आयोजित करने के लिए इच्छुक हैं। प्राचार्य मनोज कुमार सोनी ने कहा कि महाविद्यालय का मुख्य लक्ष्य अधिक से अधिक छात्रों को प्रतिष्ठित कम्पनियों में प्लेसमेंट दिलाना है, जिसके लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। कार्यक्रम में प्रवक्ता तेजप्रकाश शर्मा, जयप्रकाश जैलिया, डॉ. अरविन्द शर्मा, सुरेन्द्र कुमार बैरवा एवं बत्ती लाल मीना उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में जागरूकता की गूंज

-13 दिसंबर को मदेरा में जागृति हेतु आयोजित होगा नाटक कार्यक्रम

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में नशा मुक्त श्रीगंगानगर नशे के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में जागरूकता की गूंज 13 दिसंबर 2025 को मदेरा में जागृति हेतु नाटक कार्यक्रम आयोजित होगा। नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के अंतर्गत जिला कलक्टर डॉ. मंजू एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में मदेरा, रेणुका, रोहिड़ावाली के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयो में कार्यशाला आयोजित की गई। 13 दिसंबर को दोपहर 01 बजे मदेरा में अर्थियों को उठाने से अच्छा है जिम्मेदारियां उठाएं, नाटक के लिए ग्रामीणों को आमंत्रित किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के सह-प्रभारी विक्रम ज्याणी ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बसे गांव मदेरा, रेणुका और रोहिड़ावाली के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में एक प्रभावशाली एवं भावनात्मक जागरूकता वर्कशॉप का आयोजन किया गया। नशे से खुद को, अपने गांव को और अपनी पीढ़ी को बचाने की सीख दी गई। यह कार्यक्रम युवाओं को यह संदेश देगा कि अर्थियां उठाने वाली पीढ़ी नहीं चाहिए, हमें जिम्मेदारी उठाने वाली पीढ़ी चाहिए, नशा न घर छोड़ता है, न भविष्य इसे रोकने के लिए जागरूकता आवश्यक है। ग्रामीणों में उत्साह, युवाओं में नई जागरूकता के साथ तीनों विद्यालयों के विद्यार्थियों ने नशा छोड़ने और छुड़वाने की शपथ ली। प्राचार्य मंजूबाला, संदीप बरोड़, रविन्द्र रावत ने कहा कि सीमा क्षेत्र में नशे के खिलाफ यह अभियान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। ग्रामीणों की तरफ से राकेश मेघवाल, मनोज धारणिया, रोहिडांवाली के सरपंच प्रकाश व राजीव भादू ने 13 दिसंबर के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। पुलिस कांस्टेबल प्रवीण कुमार ने साइबर सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के लिए युवाओं को जागरूक किया।

सादुलशहर विधायक गुरवीर सिंह बराड़ देर रात पहुंचे टिब्बी किसानों के बीच

-माननीय मुख्यमंत्री खुद किसान हैं और किसान और किसानी की पीड़ा को समझते हैं : बराड़

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। सादुलशहर विधायक गुरवीर सिंह बराड़ बीती गुरुवार देर रात हनुमानगढ़ जिले के टिब्बी में किसानों के बीच पहुँचे और किसानों को राजस्थान सरकार का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आमजन व किसानों की हितैषी सरकार काम कर रही है, जो निरंतर नहरों व पक्के खालों के सुदृढ़ीकरण का काम बड़े पैमाने पर करवा रही है। गुरवीर सिंह ने कहा कि विपक्ष द्वारा किसानों को बरगलाया जा रहा है। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री खुद किसान हैं और किसान और किसानी की पीड़ा को समझते हैं। बराड़ ने कहा कि विपक्ष बिना वजह की राजनीति कर रहे हैं। उनकी बातों में कोई तर्क नहीं है। ये लोग किसानों को बरगला रहे हैं। उनका मकसद सिर्फ अपनी राजनीति चमकाना है जबकि वास्तविक रूप से किसानों की समस्याओं से उन्हें कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय भजनलाल शर्मा भी किसान परिवार से आते हैं। वे किसानों की पीड़ा और किसानी की चुनौतियों को गहराई से समझते हैं। सरकार किसानों के हित में पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उनकी हर संभव मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि एथेनॉल फैक्ट्री का एमओयू पिछली सरकार के कार्यकाल में हुआ था, अब वही इसका विरोध कर रहे हैं। किसानों की समस्याओं और आपत्तियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार है। जानबूझकर इस मुद्दे पर विपक्ष द्वारा वर्तमान सरकार का विरोध किया जा रहा है।

सीकर में सड़क सुरक्षा अभियान का शुभारम्भ – जागरूकता एवं अनुशासन पर विशेष फोकस

सीकर (रॉयल पत्रिका)। जिला परिवहन अधिकारी सीकर ताराचंद बंजारा ने बताया कि गुरूवार को सड़क सुरक्षा अभियान के शुभारम्भ के दिन जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा, जिला पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत के नेतृत्व में पुलिस कार्मिकों द्वारा प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर यातायात नियमों का उल्लघंन करने वाले वाहन चालकों को समझाईश तथा नियम पालन करने वाले चालकों को फूल, चॉकलेट देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार प्रादेशिक परिवहन कार्यालय सीकर में प्रादेशिक परिवहन अधिकारी द्वारा लाईसेन्स परीक्षण के लिए आने वाले चालकों एवं वाहन पंजीयन के लिए आने वाले वाहन स्वामियों को यातायात नियमों की पालना करने की समझाईश की गई तथा नियम पालन करने वाले चालकों, वाहन स्वामियों को फूल, चॉकलेट देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त जिले के उप परिवहन कार्यालयों फतेहपुर, रींगस एवं नीमकाथाना में भी परिवहन निरीक्षकों द्वारा इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसके अतिरिक्त शहर में प्रमुख स्थानों पर नो सीट बैल्ट नो एन्ट्री तथा नो हेलमेट नो एन्ट्री के पोस्टर, बैनर चस्पा करवाये गये। पुलिस लाईन सीकर के सामने सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शालिनी गोयल के नेतृत्व में पुलिस एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा बालवाहिनीयों की जांच की गई तथा बालवाहिनी चालकों को अपने वाहन को फिट रखने, विद्यार्थियों के लिए आवश्यक मेडिकल किट तथा पानी की व्यवस्था किये जाने के लिए पाबन्द किया गया तथा अपूर्ण दस्तावेजों वाली बालवाहिनीयों के चालान बनाये गये। इसी प्रकार सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता जे०पी० यादव के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा धोद बोसाना मार्ग पर पेचवर्क तथा रोड़ इंजीनियरींग का कार्य किया गया। सड़क सुरक्षा अभियान के दौरान आमजन को लाईसेंस प्रणाली व प्राथमिक चिकित्सा, ओवरलोड व ओवर क्राउडेड करने वाले वाहनों को समझाइश व कार्यवाही, यातायात पुलिस के साथ समन्वय करते हुए यातायात के नियमों की जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। इसके साथ ही स्कूलों व कॉलेजो में सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों की जानकारी, अच्छे मददगार की गाईडलाईन का प्रचार करना सहित कई गतिविधियां आगामी दिवसों में आयोजित की जायेगी।

बजाज सर्किल से कल्याणजी मंदिर, दुजोद गेट तक चला अतिक्रमण विरोधी विशेष अभियान

सीकर (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद आयुक्त शशिकांत शर्मा ने बताया कि ज़ीरो टॉलरेंस नीति के तहत गुरूवार को प्रवर्तन दस्ता द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों पर व्यापक अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व अतिक्रमण प्रभारी प्रमोद सोनी ने किया। अभियान बजाज सर्किल (बजरंग कांटा) से प्रारंभ होकर रिलायंस मॉल, अंबेडकर सर्किल, देवीपुर रोड, शीतला का बांस से होते हुए कल्याणजी का मंदिर दुजोद गेट तक प्रभावी रूप से चलाया गया। इस दौरान मार्गों पर अवैध रूप से खड़ी रेहड़ियों, ठेलों तथा अन्य अस्थाई अतिक्रमणों को हटाया गया ताकि आमजन को सुरक्षित, सुगम एवं निर्बाध आवागमन उपलब्ध हो सके। देवीपुर रोड पर पुराने वाहनों के रिपेयरिंग गैरेज द्वारा सड़क किनारे खड़ी की गई कबाड़ व मरम्मत के लिए छोड़ी गई गाड़ियों को तत्काल प्रभाव से हटवाया गया। गैरेज संचालकों को कड़ी चेतावनी जारी की गई कि भविष्य में सड़क पर पुरानी गाड़ियाँ खड़ी कर अतिक्रमण किया गया तो संबंधित वाहनों को जब्त किया जाएगा तथा नियमानुसार भारी जुर्माना लगाया जाएगा। नगर परिषद आयुक्त ने कहा कि शहर में अतिक्रमण किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा फुटपाथ आमजन के आवागमन के खाली रहना चाहिए और उन्होंने कहा कि इसी प्रकार के नियमित और सख्त अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

बेहतरीन रखें व्यवस्थाएं, सुविधाओं के विकास के लिए करें प्रयास : सुराणा

-किसान केन्द्र व ग्राम पंचायत कार्यालय का किया निरीक्षण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को जिले के जासासर में आयुष्मान आरोग्य मंदिर, किसान सेवा केन्द्र व ग्राम पंचायत कार्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसी क्रम में राउमावि पूलासर का भी अवलोकन कर व्यवस्थाएं देखी।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण

जिला कलक्टर ने जासासर में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण किया तथा ओपीडी, औषधियों की आपूर्ति व उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, साफ-सफाई, टीकाकरण व स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर में सभी व्यवस्थाएं बेहतरीन रखें। ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं समय पर और सुचारू रूप से मिलनी चाहिए। प्रभारी डॉ संतोष चौधरी ने व्यवस्थाओं से अवगत करवाया।

किसान सेवा केन्द्र का अवलोकन

जिला कलक्टर ने किसान सेवा केन्द्र में कृषि विभाग की योजनाओं, खाद-बीज वितरण, कृषि सलाह सेवाओं एवं किसानों की समस्याओं, वर्तमान में फसल की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा करवाने तथा विभागीय योजनाओं के बारे में समुचित जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि किसान सेवा केन्द्र किसानों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण व्यवस्था है। इसलिए किसान केन्द्र को नवाचार एवं जागरूकता का केंद्र बनाते हुए किसानों को आधुनिक खेती, जल संरक्षण और जैविक कृषि के बारे में जागरूक करें।कृषि पर्यवेक्षक रमेशचंद्र ने व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

ग्राम पंचायत कार्यालय का निरीक्षण

उन्होंने जासासर ग्राम पंचायत कार्यालय का निरीक्षण कर ग्राम पंचायत में महानरेगा कार्यों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, रिकॉर्ड संधारण संबंधी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन के समन्वय से ग्राम पंचायत स्तर पर सुविधाओं के विकास के लिए विशेष प्रयास करें। कनिष्ठ सहायक सुमन ने व्यवस्थाओं व योजनाओं की क्रियान्विति की जानकारी दी।

राउमावि पूलासर का अवलोकन

इसी क्रम में जिला कलक्टर ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पूलासर में संचालित खगोल प्रयोगशाला एस्ट्रॉनॉमी लैब एवं आरआरआर सेंटर का अवलोकन किया गया। इसी के साथ 'प्रखर राजस्थान' के तहत चल रही कक्षाओं का अवलोकन कर विद्यार्थियों से संवाद किया। इसके साथ ही राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन का अवलोकन कर विद्यालय में नामांकन बढ़ाने के निर्देश दिए।

संस्था प्रधान विजय सिंह ने व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इस दौरान सतीश सैनी, अशोक शर्मा, सोनिया नागपाल, प्रमोद कुमार, घीसाराम सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' पर हुआ व्याख्यान

सीकर (रॉयल पत्रिका)। महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान में 'अंतर्राष्ट्रीय महिला उन्मूलन दिवस' के समापन पर, 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत् व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ नीलम कुमारी, महिला अधिकारिता विभाग, केंद्र प्रबंधक, कृष्णा सोनी एडवोकेट, एवं संस्थान सचिव डॉ. ओपी सैनी ने मां शारदे की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। उसके पश्चात पधारे हुए मुख्य वक्ता नीलम कुमारी, महिला अधिकारिता विभाग, केंद्र प्रबंधक व कृष्णा सोनी, एडवोकेट को दुपट्टा ओढ़ाकर व प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता ने महिला अधिकारिता विभाग से जुड़ी हुई कुछ फ्लैगशिप योजनाओं जैसे 'बेटी पढ़ाओ व बेटी बचाओ' तथा 'लाडो प्रोत्साहन योजना' के बारे में सभी को जागरूक किया। उन्होंने इन योजनाओं से संबंधित कुछ सवाल जवाब करके कार्यक्रम को बड़ा ही रोचक बना दिया। संस्थान सचिव ने कहा कि डिजिटल दुर्व्यवहार क्या है? इसके बारे में सबको जानकारी होनी चाहिए | डिजिटल दुर्व्यवहार में महिलाओं और लड़कियों का पीछा करने, उन्हें परेशान करने और उनका शोषण करने के लिए डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है। इस पर अधिकारिता विभाग ने 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक बहुत से कार्यक्रम आयोजित करके महिलाओं को जागरूक किया है। यह महिला अधिकारिता विभाग की सराहनीय पहल है, इसका आपको लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम में सावित्रीबाई फुले पीजी महिला महाविद्यालय व सावित्रीबाई फुले शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के समस्त स्टाफ और सभी छात्राएं मौजूद रही।

झुंझुनूं नगर परिषद की टीम की बड़ी कार्रवाई

-सड़क किनारे हटाया अतिक्रमण, दुकानदारों को दी कड़ी चेतावनी

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद झुंझुनूं ने शहर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए रोड नंबर 03 पीरूसिंह सर्किल से स्काई लाइन अस्पताल तक सड़क के दोनों ओर किए गए अस्थायी अतिक्रमण को हटाया। परिषद की टीम ने मौके पर पहुंचकर रास्ता बाधित कर रहे ठेले, रेहड़ियां, बोर्ड तथा अन्य कब्जों को हटवाया और दुकानदारों को दोबारा अतिक्रमण नहीं करने की सख्त हिदायत दी। नगर परिषद आयुक्त देवीलाल बोचल्या ने बताया कि अवैध एवं अस्थायी अतिक्रमण हटाने हेतु चलाया गया यह अभियान आगामी 15 दिसंबर 2025 तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि शहर में सुगम आवागमन एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए नगर परिषद नियमित रूप से कार्रवाई कर रही है और किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभियान के दौरान राजस्व अधिकारी अशीष कुमावत, स्वच्छता निरीक्षक अली हसन, संदीप, कार्मिक सतवीर, स्वच्छता निरीक्षक नारायण जमादार सहित अन्य सफाई कर्मी मौजूद रहे। नगर परिषद ने दुकानदारों व आमजन से सहयोग की अपील की है ताकि शहर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं यातायात के लिए सुगम बनाया जा सके।

दीपों और रोशनी से सजा कार्यक्रम

नृत्य खत्म होने के बाद दीपों और रोशनी के बीच 'अवतार : फायर एंड ऐश' का नाम देवनागरी लोगो में दिखाया गया। जैसे ही यह नाम सामने आया, घाट पर तालियां गूंज उठीं। यह पहली बार है जब 'अवतार' फिल्म टाइटल देवनागरी लिपि में इस तरह सामने रखा गया है।

काशी के घाटों पर हॉलीवुड फिल्म 'अवतारः फायर एंड ऐश' का देवनागरी टाइटल भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ पेश किया गया। यह पहली बार था जब किसी विदेशी फिल्म का नाम इस तरह देवनागरी लिपि में सार्वजनिक किया गया। काशी के घाटों पर एक खास आयोजन हुआ, जहां हॉलीवुड फिल्म 'अवतार' के नए भाग 'अवतारः फायर एंड ऐश' का नाम देवनागरी टाइटल में लोगों के सामने रखा गया। गंगा किनारे हुए इस कार्यक्रम में डांस, संगीत और रोशनी के जरिए फिल्म की थीम को दिखाया गया। शाम होते ही घाट पर मंच तैयार था। धीरे-धीरे लोग कार्यक्रम देखने पहुंचने लगे। सबसे पहले काशी को समर्पित एक छोटी सांस्कृतिक प्रस्तुति हुई। इसके बाद डांस आर्टिस्ट ने आग और राख की थीम पर आधारित डांस पेश किया। डांस के जरिए फिल्म की थीम दिखाने की कोशिश की गई। साथ में बज रहे संगीत ने माहौल को और असरदार बना दिया।

पहली बार हुआ विदेशी फिल्म का इस तरह से कार्यक्रम

काशी में हुआ यह आयोजन इसलिए भी खास रहा क्योंकि यहां पहली बार किसी बड़ी विदेशी फिल्म के नाम को देवनागरी लोगो में इस तरह सार्वजनिक किया गया। घाट पर पहुंचे लोगों के लिए यह एक अलग तरह का अनुभव रहा, जहां फिल्म और संस्कृति एक साथ दिखाई दी।

भारत में कब रिलीज होगी फिल्म ?

बता दें, 'अवतारः फायर एंड ऐश' 19 दिसंबर को भारत में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी। फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है।

सलमान खान ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा

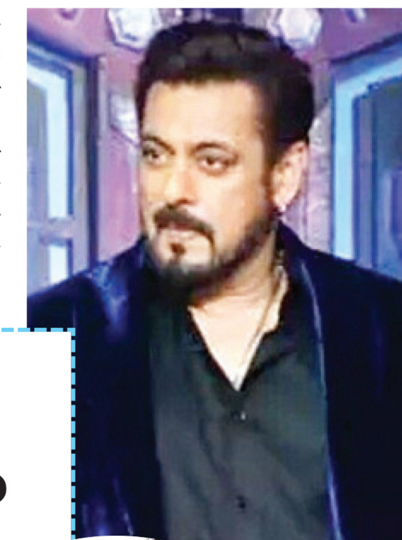

कई बॉलीवुड सेलेब्स अपनी पर्सनैलिटी, पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए कोर्ट जा चुके हैं। हाल ही में सलमान खान ने इस मामले को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट का रूख किया। सलमान खान ने अपने पर्सनैलिटी, पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हाल के महीनों में कई जाने-माने एक्टर्स को पर्सनैलिटी, पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए हाई कोर्ट से राहत मिली है। इसके बाद ही सलमान खान ने अपनी अर्जी फाइल की है।

कृतिका कामरा ने कन्फर्म किया रिश्ता?

● **इस मशहूर क्रिकेट होस्ट को कर रहीं डेट; इंस्टाग्राम पर साझा की तस्वीरें**

बी-टाउन में एक नए रिश्ते का खुलासा हुआ है। अभिनेत्री कृतिका कामरा ने गौरव कपूर के साथ अपने रिश्ते को सार्वजनिक करते हुए एक पोस्ट किया है। वो कहते हैं न कि धुआं वहीं से उठता है, जहां कोई चिंगारी लगी होती है। पिछले कुछ वक्त से अभिनेत्री कृतिका कामरा और टेलीविजन प्रजेंटेटर गौरव कपूर के रिलेशनशिप को लेकर चर्चाएं चल रही थीं। अब अंततः आज कृतिका ने इन चर्चाओं पर मोहर लगा दी और गौरव कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल कर दिया। कृतिका ने एक पोस्ट के जरिए अपने रिश्ते को कंफर्म किया है।

कृतिका ने शेयर की पोस्ट

बुधवार को कृतिका ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में कृतिका और गौरव दोनों नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में दोनों साथ में ब्रेकफास्ट करते और कॉफी पीते भी नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कृतिका ने कैप्शन में सिर्फ 'ब्रेकफास्ट विद' लिखा है। जाहिर है कि गौरव कपूर का यूट्यूब पर एक शो भी है 'ब्रेकफास्ट विद गौरव कपूर', जिसमें वो क्रिकेट सेलेब्स के साथ बातचीत करते हैं। इन तस्वीरों में कृतिका और गौरव की सेल्फी भी है। साथ ही एक वीडियो भी है, जिसमें दोनों के कॉफी मग पर बेबी लिखा हुआ है। कृतिका और गौरव के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर महीनों से अफवाहें चल रही हैं। खासकर मुंबई में दोनों को साथ देखे जाने के बाद, इनके अफेयर की चर्चाएं बी-टाउन के गलियारों में जोरों पर थीं। लेकिन कपल अपने रिश्ते को छिपाए हुए था। कई बार कपल को बांद्रा के मशहूर रेस्टोरेंट में खाना खाते और अपने दोस्तों के साथ समय बिताते देखा गया था। हालांकि, दोनों ने पहले इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की थी। लेकिन अब कृतिका ने अपनी इस पोस्ट के जरिए अपने रिश्ते को लगभग कंफर्म कर दिया है। इसके बाद अब सारी अटकलें खत्म हो गई हैं।

काफी वक्त से चल रही थीं चर्चाएं

करीना कपूर को था अक्षय खन्ना के ऊपर क्रश, बताया हॉलीवुड स्टार

वह बहुत क्यूट हैं...

'धुरंधर' में अक्षय खन्ना के अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है। इसी बीच एक पुराना वीडियो सामने आया है, जिसमें करीना कपूर एक्टर अक्षय की प्रशंसा के पुल बांधती नजर आ रही हैं। अक्षय खन्ना इन दिनों अपनी नई फिल्म 'धुरंधर' की वजह से सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनका खतरनाक डकैत रहमान का किरदार और वायरल एंट्री डांस लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। इसी बीच करीना कपूर का एक पुराना वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे खुलकर अक्षय खन्ना को अपना क्रश कहती नजर आ रही हैं।

करीना का क्रश

साल 2004 में फिल्म 'हलचल' के प्रमोशन के दौरान करीना ने कहा था, 'मैंने अक्षय की फिल्म 'हिमालयपुत्र' कम से कम 20 बार देखी है। उस समय मैं स्कूल में थी और अक्षय खन्ना सभी लड़कियों के क्रश थे। मैं भी उनके पीछे पूरी तरह पागल थी।'

धुरंधर में गौरी मैम के किरदार पर उठे सवाल पर एक्ट्रेस ने दिया जवाब, कहा-

यहां ग्लैमर नहीं मिलेगा

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। कलेक्शन के मामले में यह फिल्म रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म के किरदारों को भी पसंद किया जा रहा है, लेकिन अब इसी फिल्म में रहमान डकैट की पत्नी का रोल प्ले करने वाली सौम्या टंडन, या पॉपुलर गौरी मैम, ने एक यूजर के कमेंट का जवाब दिया है, जिन्हें फिल्म में उनके किरदार का होना बेवजह लगा। सौम्या टंडन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर फिल्म और अपने किरदार पर बात करते हुए यूजर को दो टूक जवाब दिया। यूजर ने सौम्या टंडन की फिल्म के स्क्रीनशॉट को शेयर कर लिखा, 'दोनों ही अभिनेत्रियां पुरुषों को थप्पड़ मारती हैं और वे कोई प्रतिक्रिया भी नहीं देते। इन दोनों महिलाओं ने तो 'धुरंधर' भी नहीं देखी होगी, लेकिन हमेशा की तरह महिला कार्ड खेलने के लिए बेकार बातें कर रही है, जिसका फिल्म से कोई लेना-देना नहीं है।' यूजर की कमेंट का जवाब देते हुए सौम्या टंडने ने लिखा, 'धुरंधर की कहानी जिस दुनिया में घटित होती है और निर्देशक ने जिस तरह के सामाजिक मानदंडों को दर्शाया है, वह पुरुष प्रधान दुनिया है, फिर भी महिलाओं के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाता है।

अरे दादा गोरी मेम को डकैत उड़ा ले गाओ...

➲ **अनीता भाभी को Dhurandhar में देखकर लोटे तीनों आशिकों के सीने पर सांप, वायरल हुए मीम्स**

हाल ही में रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर रिलीज हुई है. फिल्म के कुछ सीन्स में सीरियल भाभी जी घर पर हैं की अनीता भाभी नजर आई हैं. जिसके बाद से ही अनीता भाभी के फनी मीम्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं.

बॉलीवुड एक्टर अक्षय खन्ना ने इस फिल्म के जरिए जबरदस्त कमबैक किया है. अक्षय खन्ना के डांस के मीम्स सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं. अगर आपको लग रहा है कि इस फिल्म ने केवल अक्षय खन्ना को ही रातोंरात लाइमलाइट में ला दिया है तो आप गलत सोच रहे हैं. अक्षय खन्ना की तरह सीरियल भाभी जी घर पर हैं की अनीता भाभी ने भी इस समय सोशल मीडिया को हिलाकर रख दिया है. अब आप कहेंगे कि धुरंधर का सीरियल भाभी जी घर पर हैं की अनीता भाभी से क्या लेना देना. दरअसल सीरियल भाभी जी घर पर हैं की अनीता भाभी यानी सौम्या टंडन ने फिल्म धुरंधर में अक्षय खन्ना की पत्नी का किरदार निभाया है.

सीरियल भाभी जी घर पर हैं के फैंस ने हिलाई सोशल मीडिया की दुनिया

फिल्म के कुछ सीन्स में सौम्य टंडन अक्षय खन्ना के साथ नजर आ रही हैं. इन सीन्स के सामने आते ही सीरियल भाभी जी घर पर हैं की अनीता भाभी के फैंस के बीच हंगामा मच गया है. फैंस कह रहे हैं कि सीरियल भाभी जी घर पर हैं की अनीता भाभी को डकैत उड़ाकर ले गया और तिवारी और हप्पू देखते ही रह गए. जिसके बाद से ही अनीता भाभी के फनी मीम्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं.

शाहरुख खान ने की ऑस्कर की रेस में शामिल 'होमबाउंड' की तारीफ

शाहरुख खान ने ईशान खट्टर और विशाल जेठवा की फिल्म 'होमबाउंड' को देखकर अपनी प्रतिक्रिया साझा की है। किंग खान ने फिल्म पर क्या कुछ कहा है, चलिए आपको बताते हैं। ईशान खट्टर और विशाल जेठवा की फिल्म होमबाउंड को भले ही सिनेमाघरों में सफलता ना मिली हो लेकिन बॉलीवुड के 'किंग' शाहरुख खान ने निर्देशक नीरज घेवान की फिल्म 'होमबाउंड' की खुलकर तारीफ की है। सामाजिक संवेदनाओं को छूती इस फिल्म ने पहले ही देश-विदेश में पहचान बना ली है और अब शाहरुख की सराहना के बाद फिल्म को लेकर एक बार फिर चर्चा होने लगी है।

शाहरुख खान ने एक्स पर की तारीफ

शाहरुख खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म की तारीफ की। उन्होंने फिल्म को नरम, सच्ची और दिल से जुड़ी हुई कहानी बताया। उन्होंने कहा कि फिल्म 'होमबाउंड' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि इंसानियत और संवेदनाओं की जीत है। एसआरके ने निर्देशक नीरज घेवान के साथ-साथ पूरी कास्ट और प्रोडक्शन टीम को बधाई दी और कहा कि उन्होंने दुनिया भर में दर्शकों का दिल जीत लिया है।

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में

अपने करियर जर्नी पर बोले कार्तिक आर्यन

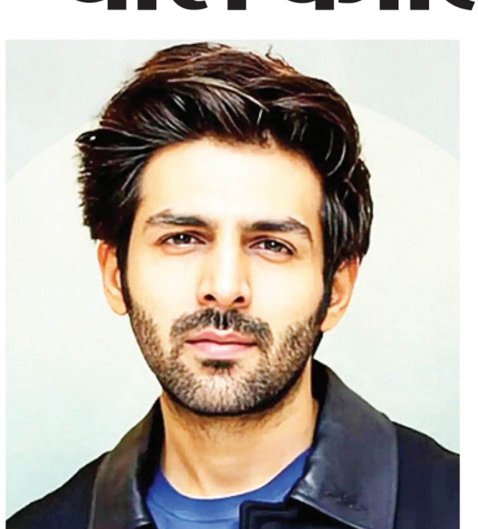

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कार्तिक आर्यन ने अपने बॉलीवुड सफर को एक ऐसी कहानी बताई है, जो अभी पूरी तरह लिखी ही नहीं गई है। सफलता के कई पड़ावों को पार करने के बावजूद, कार्तिक अपने करियर को एक निरंतर विकसित होती स्क्रिप्ट मानते हैं, जहाँ हर उपलब्धि नई महत्वाकांक्षाओं और नए अवसरों का रास्ता खोलती है, फिर चाहे वह भारत में हों या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर। कार्तिक कहते हैं, मुझे लगता है कि मैंने बस अभी-अभी अपना सफर शुरू किया है। हालांकि कहानी अभी भी लिखी जा रही है, लेकिन मुझे नहीं पता कि यह कहाँ जाएगी। आप इसे कहानी का शुरुआती दौर भी कह सकते हैं, जिसे पूरी होने में काफी वक्त लगेगा। गौरतलब है कि कार्तिक की यह भावना उनके निरंतर सीखने और आगे बढ़ने की चाह को दर्शाती है। उन्होंने अपने लगातार आगे बढ़ने के जज़्बे पर भी बात करते हुए कहा, मैं हमेशा कहता हूँ कि अभी मैं यहाँ हूँ, तो मुझे वहाँ पहुँचना है।

और जब मैं वहाँ पहुँच जाऊँगा, तो मुझे उससे भी आगे जाना होगा। फिर वहाँ से और आगे। यह एक कभी न खत्म होने वाली दौड़ है, जो बेहद ज़रूरी है, क्योंकि अगर मैं संतुष्ट हो जाऊँ, तो आगे के लिए कभी कोशिश नहीं करूंगा। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल जैसे वैश्विक मंच पर खड़े होकर कार्तिक के कहे यह शब्द न सिर्फ उनके अंतरराष्ट्रीय आकर्षण को दिखाते हैं, बल्कि उनकी महत्वाकांक्षाओं को भी उजागर करते हैं।

सुरभि चंदना को मिला वूमेनप्रेन्योर इंडिया अवॉर्ड

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री सुरभि चंदना ने एक से बढ़कर एक धारावाहिकों में काम कर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अभिनेत्री को हाल ही में वूमेन प्रेन्योर इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसकी बात की जानकारी सुरभि ने पोस्ट के जरिए दी। सुरभि चंदना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा कि यह सम्मान उनके लिए एक शांत सा पल है, जबकि उनका पूरा करियर शांत नहीं रहा है। उन्होंने लिखा, एक्टिंग के अलावा मैंने अपना म्यूजिक लेबल फील गुड ऑरिजिनल शुरू किया और अब द सेम ब्रैंड के साथ नई कहानियां बनाने की कोशिश कर रही हूं। इन नए रास्तों ने मुझे अंदर से बदल दिया है। अभिनेत्री ने बताया कि इस सफर में चलना बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने लिखा, इस सफर को तय करने पर कई बार मुझे खुद पर शक हुआ, कई बार फिर से शुरुआत करनी पड़ी और कई बार ऐसा लगा कि अब कुछ नहीं बचेगा, लेकिन फिर भी मैंने हार नहीं मानी और चलती रही, अपना रास्ता बनाती गई।

साभार एजेंसी

भारत का दो गोल से पिछड़ने के बाद ऐतिहासिक प्रदर्शन, 9 साल बाद जीता पदक

जूनियर विश्व कप हॉकी:

चेन्नई, एजेंसी। दो गोल से पिछड़ने के बाद मेजबान भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 9 साल बाद पुरुषों के जूनियर विश्व कप में पहला कांस्य पदक जीता। तीसरे और चौथे स्थान के लिए हुए प्ले-ऑफ मैच में भारत ने अर्जेंटीना को 4-2 से हराया। मेजबान टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ शानदार 4-2 से वापसी करते हुए जीत हासिल की और सिर्फ 11 मिनट के छोटे से समय में चार गोल करके तीसरा स्थान हासिल किया।

निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे') और सैंटियागो फर्नांडीज ने (44वें) मिनट में मेहमान टीम को बढ़त दिलाई थी जिसके बाद भारत के लिए अंकित पाल ने (49वें), मनमीत सिंह ने (52वें), शरदानंद तिवारी ने (57वें) और अनमोल एक्का ने (58वें) मिनट में गोल किए।

भारत ने खेल की शुरुआत आक्रामक तरीके से की और अर्जेंटीना के डिफेंस में सेंध लगाने की कोशिश की। हालांकि यह मेहमान टीम थी जिसने खेल के विपरीत जाकर बढ़त हासिल की, जब निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला। एक गोल के बाद मेजबान टीम ने जोरदार जवाब दिया और तुरंत बराबरी की तलाश में थी। भारत को पहले

क्वार्टर के अंत में लगभग एक मौका मिला, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा पाए। दूसरे क्वार्टर में भारत के लिए यह एक उत्साहजनक शुरुआत थी, उन्होंने वहीं से शुरुआत की जहां उन्होंने पहले क्वार्टर में छोड़ा था।

वे खेल में अपनी पकड़ बनाने लगे और अधिक महत्वपूर्ण मौके बनाए, जिससे अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव पड़ा जो ज्यादातर मौकों पर मजबूत बना रहा। दिलराज सिंह ने गोल पर शॉट लगाया, जबकि मेजबान टीम ने पहले हाफ में आठ सकर्ल पेनिट्रेशन के साथ कुछ आधे मौके बनाए और बराबरी की तलाश में गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि अर्जेंटीना ने पहले हाफ को 1-0 की बढ़त के साथ खत्म किया। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में कुछ पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। वे हमले में लगातार बने रहे, और अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव बनाए रखा जो पीछे हट रहा था। मेहमान टीम काउंटर अटैक पर खेलने की कोशिश कर रही थी और उन्हें कुछ मौके भी मिले, लेकिन प्रिंसदीप सिंह ने शानदार डबल सेव करके भारत को खेल में बनाए रखा। अर्जेंटीना ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर के अंत में सैंटियागो फर्नांडीज (44वें) मिनट में किये गोल से अपनी बढ़त दोगुनी कर दी।

पाकिस्तान में फुटबॉल मैच के बाद खिलाड़ियों की शर्मनाक हरकत, लाइव प्रसारण वायरल होने के बाद जांच शुरू

कराची, एजेंसी: पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन और देश की सबसे बड़ी ओलंपिक संस्था कराची में पाकिस्तान आर्मी और डब्ल्यूएपीडीए टीम के बीच सेमीफाइनल मैच के बाद हुई एक शर्मनाक घटना की जांच कर रही है जिसमें कई खिलाड़ियों और अधिकारियों को चोटें आई हैं। केपीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नेशनल गेम्स फुटबॉल सेमीफाइनल के बाद दोनों तरफ के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए और अधिकारी भी इसमें शामिल हो गए जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को मुक्के और लातें मारीं। मैच का लाइव प्रसारण हो रहा था, इसलिए ये शर्मनाक दृश्य कैमरे में कैद हो गया और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कई लोगों ने दोनों टीमों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह लड़ाई तब शुरू हुई जब डब्ल्यूएपीडीए के कुछ सदस्यों ने आर्मी के खिलाड़ियों के अपनी डगआउट के सामने जीत का जश्न मनाने पर गुस्सा जताया। पीएफएफ के एक अधिकारी ने कहा कि उन्होंने इस घटना का संज्ञान लिया है और पाकिस्तान ओलंपिक एसोसिएशन भी इस मामले की जांच करेगा क्योंकि नेशनल गेम्स उसी के दायरे में आते हैं। उन्होंने कहा, 'हम अपनी जांच करेंगे और लड़ाई भड़काने या शुरू करने में शामिल पाए गए खिलाड़ियों और अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।'

हरमनप्रीत कौर-युवराज सिंह को सम्मान क्रिकेट स्टेडियम में बनेगा उनके नाम का स्टैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर मोहाली में स्थित मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में एक स्टैंड का नाम रखने की घोषणा की है। उनके साथ युवराज सिंह के नाम पर भी यहां स्टैंड का उद्घाटन होगा।

इसके अलावा, हरमनप्रीत कौर के साथ अमनजोर कौर को इनामी राशि भी दी जाएगी। भारतीय क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और खिलाड़ियों की ऐतिहासिक उपलब्धियों पर आज कई स्पोर्ट्स प्लेटफ़ॉर्म, जैसे Betwinner India, भी खास नज़र रख रहे हैं, जो भारतीय खेलों में लगातार बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाता है। पीसीए के कार्यवाहक सचिव सिद्धार्थ शर्मा ने आईएएनएस से कहा, 'इन

खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप जीतने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। हमने उनके नाम पर एक स्टैंड की घोषणा की है। 11 दिसंबर को भारत-साउथ अफ्रीका मैच में इसका उद्घाटन होगा।' उन्होंने कहा, 'यहां दो बार के वर्ल्ड कप चैंपियन युवराज सिंह के नाम से स्टैंड का भी उद्घाटन होगा। हरमनप्रीत कौर और अमनजोत कौर को इनामी राशि दी जाएगी। यह स्टैंड न्यू मुल्लापुर में नए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा। यह उनके लिए एक छोटी सी चीज है, उन्होंने पूरे देश को विश्व कप खिताब जिताया है।

यह उनकी उपलब्धि के लिए हमारी तरफ से एक छोटी सी भेंट है।' सिद्धार्थ शर्मा मानते हैं कि इन महिला खिलाड़ियों को देखकर ही युवा लड़कियां भी इस खेल से जुड़ेंगी। उन्होंने कहा, 'विमेंस क्रिकेट में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिगेज जैसी खिलाड़ियों को देखकर ही युवा आगे आएंगी। इससे उन्हें प्रेरणा मिलेगी।

जब युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी, तभी महिला क्रिकेट आगे बढ़ेगा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने नवी मुंबई में 2 नवंबर को खेले गए महिला विश्व कप 2025 के फाइनल मैच में साउथ अफ्रीका को 52 रन से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया था। यह भारतीय महिला क्रिकेट टीम का पहला विश्व कप खिताब था। इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 45.3 ओवरों में महज 246 रन पर सिमट गई।

भारतीय खिलाड़ियों पर रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा का सनसनीखेज आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा अपने बयान की वजह से हमेशा चर्चा में रही हैं। गुजरात के पिछले विधानसभा चुनाव में उन्हें जीत मिली और वह विधायक बन गईं। कुछ समय पहले ही उन्हें मंत्री मंडल में शामिल किया गया है। वह गुजरात की शिक्षा मंत्री हैं। इस बीच रिवाबा ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसपर हर तरफ चर्चा शुरू हो गई है। उन्होंने भारतीय टीम के खिलाड़ियों पर बड़े आरोप लगाए हैं।

पति की तारीफ करते हुए रिवाबा ने आरोप लगाए

रिवाबा जडेजा ने अपने पति रविंद्र जडेजा की तारीफ के दौरान अन्य भारतीय खिलाड़ियों पर आरोप लगा दिए। रिवाबा के अनुसार भारतीय खिलाड़ी विदेशों में जाकर गलत काम करते हैं। एक कार्यक्रम में स्टेज पर बोलते हुए रिवाबा ने कहा- मेरे पति को लंदन, दुबई, ऑस्ट्रेलिया जैसे अनेकों देशों में खेलने के लिए जाना होता है फिर भी आज दिन तक उन्होंने कभी व्यसन नहीं किया। टीम के बाकी सारे खिलाड़ी गलत काम करते हैं।

राजस्थान के लिए खेलेंगे जडेजा

आईपीएल 2026 में रविंद्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलेंगे। पिछले सीजन वह चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा थे। फ्रेंचाइजी ने उन्हें ऑक्शन से पहले राजस्थान के साथ ट्रेड कर लिया है। संजू सैमसन के बदले राजस्थान को जडेजा और सैम करन मिले। जडेजा ने 2008 में राजस्थान की तरफ से ही आईपीएल डेब्यू किया था। अब वह एक बार फिर टीम के लिए खेलते नजर आएंगे।

खिलाड़ियों की भूमिका से ज्यादा छेड़छाड़ करने पर बोले, डिविलियर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा कि वह भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से 'कुछ हद तक' सहमत हैं कि वनडे बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है लेकिन उन्होंने टीम में लचीलापन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 2-1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वनडे प्रारूप में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं उनसे कुछ हद तक सहमत हूं। मुझे वनडे में बल्लेबाजों के क्रम में बदलाव करना पसंद रहा है। लेकिन यह एक नाजुक मामला है क्योंकि आप खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, 'इसमें शीर्ष तीन, चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। यह लगभग तीन खंडों की तरह है और आप वास्तव में इसके साथ रचनात्मक हो सकते हैं।

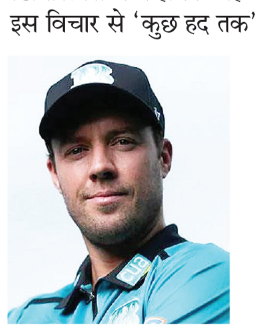

वेलिंगटन टेस्ट: न्यूजीलैंड ने पहली पारी में वेस्टइंडीज पर 73 रन की बढ़त बनाई

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट वेलिंगटन में खेला जा रहा है। दूसरे दिन न्यूजीलैंड की पहली पारी 278 रन पर समाप्त हुई। पहली पारी के आधार पर कीवी टीम ने वेस्टइंडीज पर 73 रन की बढ़त बनाई है। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 24 रन से की थी। 36 के स्कोर पर उन्हें कप्तान टॉम लैथम के रूप में पहला झटका लगा। वह 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे ने 108 गेंद पर 8 चौकों की मदद से 60 और विकेटकीपर बल्लेबाज मिशेल हे ने 93 गेंद पर 1 छक्का और 9 चौकों की मदद से 61 रन बनाए। इन दोनों के अलावा केन विलियमसन ने 37, डेरिल मिचेल ने 25 रन बनाए। जकारी फॉल्क्स 23 रन बनाकर नाबाद रहे। ब्लेयर टिकनर इंजरी की वजह से बल्लेबाजी करने नहीं आए। इस वजह से न्यूजीलैंड को अपनी पारी 9 विकेट पर 278 रन बनाकर घोषित करनी पड़ी। वेस्टइंडीज के लिए एंडरसन फिलिप ने 3, केमार

रोच ने 2 विकेट लिए। जायडन सिल्स, ओजे शिल्ड्स, जस्टिन ग्रिव्स और रोस्टन चेज को 1-1 विकेट मिला। वेस्टइंडीज की पहली पारी 205 रन पर समाप्त हुई थी। शाई होप ने सर्वाधिक 47 और जॉन कैंपबेल ने 44 रन की पारी खेली थी। ब्रैंडन किंग ने 33 और रोस्टन चेज ने 29 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड के लिए ब्लेयर टिकनर ने 4, माइकल रे ने 3, जैकब डफी और ग्लेन फिलिप्स ने 1-1 विकेट लिए थे। रिपोर्ट लिखे जाने तक वेस्टइंडीज ने अपनी दूसरी पारी में 7 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 24 रन बना लिए थे। जॉन कैंपबेल 27 गेंद पर 14 रन बनाकर माइकल रे की गेंद पर बोल्ड हुए।

बीएफआई को एलीट नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप करनी पड़ी रीशेड्यूल

नई दिल्ली, एजेंसी। 9वीं एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को उत्तर भारत में प्रदूषण के नियमों की वजह से रीशेड्यूल करना पड़ा है। पहले ये चैंपियनशिप 31 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में होनी थी, लेकिन अब इसे अगले साल 4-10 जनवरी के बीच आयोजित किया जाएगा। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया कि सरकार की ओर से अनिवार्य किए गए और 31 दिसंबर 2025 तक लागू प्रदूषण नियंत्रण उपायों को देखते हुए चैंपियनशिप अब 4-10 जनवरी 2026 के बीच उसी वेन्यू पर होगी। चैंपियनशिप को लेकर शेष सभी इंतजाम वैसे ही रहेंगे। इसे लेकर सभी ताजा अपडेट शेयर किए जाएंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है जब बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को एक साथ होस्ट करने जा रहा है। इस चैंपियनशिप में भारत के टॉप सीनियर मुक्केबाज एक ही छत के नीचे आएंगे। इसमें 10-10 भार वर्ग में मुकाबले खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप में सर्विसेज डिफेंडिंग मेंस नेशनल चैंपियंस के तौर पर एंट्री करेगी, जबकि रेलवे की विमेंस टीम चैंपियनशिप का टाइटल बरकरार रखना चाहेगी। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने प्रेस रिलीज में कहा, 'देशभर की यूनिट्स पुरुषों और महिलाओं के लिए 10-10 वेट कैटेगरी में मुकाबला करेंगी, जो वर्ल्ड बॉक्सिंग टेक्निकल और कॉम्पिटिशन रूल्स का पूरी तरह से पालन करेंगी। प्रत्येक यूनिट को हर कैटेगरी में एक बॉक्सर उतारने की इजाजत है। इसमें किसी रिजर्व की अनुमति नहीं है। योग्य मुक्केबाज का जन्म 1 जनवरी 1985 और 31 दिसंबर 2006 के बीच होना अनिवार्य है। '

चांदी पर बैठना पसंद नहीं मेरा लक्ष्य सोना : रवि दहिया

नई दिल्ली, एजेंसी। रवि कुमार दहिया भारतीय कुश्ती का ऐसा नाम है जिनसे भविष्य में देश को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर स्वर्णिम प्रदर्शन की उम्मीद है। रवि दहिया के नाम से मशहूर इस पहलवान का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के नहरी में 12 दिसंबर 1997 को हुआ था। हरियाणा को भारतीय कुश्ती का केंद्र माना जाता है। रवि को अपने प्रदेश के साथ ही कुश्ती का प्रभाव अपने घर में भी देखने को मिला। रवि के पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनकी मां ऊर्मिला देवी और चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने अथक परिश्रम से सफल और समृद्ध बनाया है। रवि ने महज 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर आते थे। यह प्रक्रिया तब तक जारी थी। रवि के एक बड़े पहलवान के रूप में लोकप्रिय होने तक यह प्रक्रिया जारी रही।

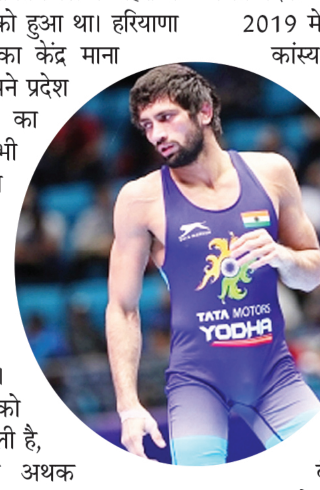

ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है। सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी। सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त जैसे पहलवानों ने सतपाल सिंह से ही प्रशिक्षण लिया था और आगे चलकर ओलंपिक पदक विजेता बने। ओलंपिक पदक विजेताओं में रवि दहिया का नाम भी शामिल है। रवि को सबसे पहले बड़ी पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था।

2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह सुनिश्चित की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप के बादशाह हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीते थे। दहिया के जीवन का सबसे बड़ा क्षण टोक्यो ओलंपिक था। 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीत वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। हालांकि फाइनल में मिली हार से रवि खुश नहीं थे। उन्होंने कहा था, 'मैं चांदी पर नहीं बैठ सकता। सोना ही मेरा लक्ष्य है।' टोक्यो ओलंपिक के बाद 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में रवि दहिया ने स्वर्ण पदक जीता।

2024 में पेरिस में हुए ओलंपिक में जगह बनाने में सफल नहीं रहे रवि अब अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। फ्रीस्टाइल कुश्ती के इस धाकड़ पहलवान से देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। भारत सरकार रवि दहिया को पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित कर चुकी है।

फुटबॉल:

चैंपियंस लीग में 16 वर्षीय सैल्मन का डेब्यू; रियल मैड्रिड के तीन खिलाड़ी रेफरी से बदसलूकी पर निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोपीय फुटबॉल में इस हफ्ते दो विपरीत तस्वीरें सामने आईं। एक ओर 16 साल के मार्ली सैल्मन ने चैंपियंस लीग में आर्सेनल की ओर से डेब्यू कर इतिहास रचा, वहीं दूसरी ओर रियल मैड्रिड के तीन खिलाड़ियों को रेफरी के प्रति अनुचित व्यवहार के कारण दो मैचों के निलंबन का सामना करना पड़ा।

आर्सेनल के 16 वर्षीय डिफेंडर मार्ली सैल्मन का रिकॉर्ड डेब्यू

लंदन में क्लब ब्रुग के

खिलाफ खेले गए मैच में आर्सेनल ने 3-0 की शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में एक खास पल तब आया जब मार्ली सैल्मन, जिनकी उम्र सिर्फ 16 साल 103 दिन है, को कोच मिकेल आर्टेटा ने अंतिम मिनटों में मैदान पर उतारा। जैन ब्राइडलस्टेडियन में हुए इस मैच ने सैल्मन को चैंपियंस लीग इतिहास के छठे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में दर्ज कर दिया। आर्टेटा ने मैच के बाद कहा, 'हमें पता था कि किसी न किसी दिन हमें उसे मौका देना होगा। वह अभी सिर्फ 16 साल का है और चैंपियंस लीग में खेलना कोई छोटी बात नहीं।' आर्सेनल की इस सीजन में यह सबसे कम उम्र का डेब्यू भी नहीं है। इससे पहले मैक्स डॉमन, उम्र 15 साल 308 दिन, स्लाविया प्राग के खिलाफ मैदान पर उतरकर रिकॉर्ड बना चुके हैं। श्रम्र के मुताबिक, जैक विल्शर और डॉमन के बाद, सैल्मन आर्सेनल के तीसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें 16 वर्ष या उससे कम उम्र में चैंपियंस लीग में मैदान पर उतारा गया है। क्लब का कहना है कि नंबर 89 जर्सी पहनने वाला यह डिफेंडर एक बेहतरीन बॉल-प्लेइंग सेंटर-बैक है और उसने अंडर-11 टीम से शुरुआत की थी।

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप टीम की घोषणा की, दो भारतीयों को मिली जगह

मेलबर्न, एजेंसी। नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक होने वाले पुरुषों के अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के लिए मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम में भारतीय मूल के दो खिलाड़ियों आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स को शामिल किया गया है। आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में

युवा टेस्ट और वनडे श्रृंखला में भारत के खिलाफ खेली थी। भारतीय मूल के क्रिकेटरों के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम में श्रीलंकाई मूल के दो खिलाड़ी (नादेन कूरे और नितेश सैमुअल) और चीनी मूल का एक खिलाड़ी (एलेक्स ली यंग) भी शामिल हैं। ओलिवर पीक टीम के कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन ने कहा, 'आईसीसी अंडर19 विश्व कप के लिए एक मजबूत और संतुलित टीम की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है।

गोवा क्लब अग्निकांड:

-लूथरा ब्रदर्स की गिरफ्तारी, भारत लाने की प्रक्रिया शुरू और 42 फर्जी कंपनियों का खुलासा

नई दिल्ली। गोवा के चर्चित बिर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में 6 दिसंबर को लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत ने पूरे देश को हिला दिया। इस घटना के बाद क्लब के मालिक और मुख्य आरोपी सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा देश छोड़कर थाईलैंड भाग गए थे। अब लगभग एक हफ्ते बाद इन दोनों को भारत वापस लाने की औपचारिक प्रक्रिया तेज़ हो गई है।

फुकेट से गिरफ्तारी, अब बैंकॉक के रास्ते भारत-
थाईलैंड पुलिस ने गुरुवार को फुकेट में सौरभ और गौरव लूथरा को हिरासत में लिया। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच बैंकॉक ले जाया जा रहा है। बैंकॉक के सुवर्णभूमि एयरपोर्ट पर भारतीय एजेंसियां उनकी कस्टडी लेंगी। कानूनी प्रक्रिया के तहत उन्हें सुआन फू इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा। दोनों आरोपियों के पासपोर्ट भारत द्वारा रद्द कर दिए गए हैं। इसलिए भारत वापस भेजने के लिए भारतीय दूतावास उन्हें इमरजेंसी ट्रैवल सर्टिफिकेट (ETC) जारी करेगा। यह प्रमाणपत्र विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों को तभी दिया जाता है जब पासपोर्ट अमान्य हो या ज़ब्त कर लिया गया हो।

पहले दिल्ली, फिर गोवा लाया जाएगा-
चूंकि थाईलैंड से गोवा के लिए कोई सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ान नहीं है, इसलिए लूथरा ब्रदर्स को पहले बैंकॉक से दिल्ली लाया जाएगा। वहां इमिग्रेशन औपचारिकताओं और मेडिकल चेकअप के बाद उन्हें गोवा पुलिस के हवाले किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया में 3–4 दिन लग सकते हैं और संभावना है कि सोमवार तक दोनों दिल्ली पहुंचेंगे। दिल्ली उतरते ही गोवा पुलिस की टीम उन्हें औपचारिक रूप से हिरासत में ले लेगी और गोवा ले जाएगी।

42 कंपनियों का नेटवर्क: बड़ा खुलासा-
इस बीच, जांच में लूथरा भाइयों को लेकर एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा न केवल बिर्च क्लब के मालिक हैं, बल्कि 42 अन्य कंपनियों से भी जुड़े हुए हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि ये सभी कंपनियां दिल्ली के एक ही पते पर रजिस्टर्ड हैं — 2590, ग्राउंड फ्लोर, हडसन लाइन, नॉर्थ वेस्ट दिल्ली। कॉर्पोरेट मामलों के रिकॉर्ड बताते हैं कि लूथरा ब्रदर्स इन फर्मों और कई लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप (LLPs) के डायरेक्टर या पार्टनर के रूप में दर्ज हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में कंपनियों का एक ही पते पर रजिस्टर्ड होना संदेह पैदा करता है। आमतौर पर ऐसी कंपनियों का इस्तेमाल निम्न कार्यों के लिए किया जाता है— बेनामी लेनदेन, टैक्स चोरी, मनी लॉन्ड्रिंग, और फंड्स को एक से दूसरे अकाउंट में घुमाने जैसे काम। हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह सब आरोप या आशंका है, इसकी पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही होगी।

गोवा क्लब अग्निकांड: क्या हुआ था?-
6 दिसंबर की रात बिर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में अचानक आग लग गई। शुरुआती जांच में खुलासा हुआ कि क्लब में फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं किया गया था। क्लब में मौजूद— एक्सिट रास्ते कम थे, फायर अलार्म सिस्टम काम नहीं कर रहा था, फायर एक्सटिंग्विशर भी पर्याप्त संख्या में नहीं थे। आग तेजी से फैली और चंद मिनटों में क्लब धुएं से भर गया। अफरातफरी मच गई, कई लोग बाहर निकल नहीं पाए और दम घुटने से मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में कुल 25 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए। घटना के बाद सौरभ और गौरव लूथरा फरार हो गए। पुलिस ने उन पर गैर-इरादतन हत्या (IPC 304), लापरवाही से मृत्यु (IPC 304A) और सार्वजनिक सुरक्षा से खिलवाड़ जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।

भारत लाए जाने के बाद क्या होगा?
लूथरा ब्रदर्स के भारत पहुंचने के बाद— गोवा पुलिस अदालत में रिमांड मांगेगी। उनसे क्लब की लाइसेंस प्रक्रिया, फायर क्लियरेंस और सुरक्षा मानकों के बारे में पूछताछ होगी। 42 कंपनियों वाले मामले में एडिशनल जांच की जा सकती है। वित्तीय लेन-देन और क्लब में हुए निवेश की जांच ED और SFIO जैसी एजेंसियों को भी सौंपी जा सकती है।

पूर्व गृहमंत्री शिवराज पाटिल का 90 वर्ष में निधन

-26/11 के बाद इस्तीफे से चर्चा में रहे

लातूर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और देश की राजनीति में एक सादगीपूर्ण लेकिन प्रभावशाली पहचान रखने वाले पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का शुक्रवार सुबह 90 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने महाराष्ट्र के लातूर स्थित अपने आवास देवघर में सुबह 6:30 बजे अंतिम सांस ली। पिछले कई दिनों से वे अस्वस्थ चल रहे थे और घर पर ही उनका उपचार जारी था। परिवार ने बताया कि अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा। उनके परिवार में बेटे शैलेश, बहू अर्चना और दो पोतियां हैं।

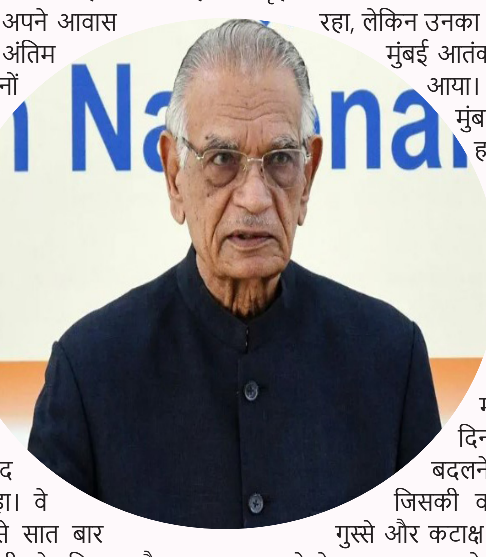

शिवराज पाटिल का राजनीतिक सफर बेहद लंबा और महत्वपूर्ण रहा। वे लातूर लोकसभा सीट से सात बार सांसद चुने गए, जो उनकी लोकप्रियता और जनता के भरोसे का प्रमाण है। पाटिल को कांग्रेस पार्टी के भीतर भी एक सम्मानित और भरोसेमंद नेता के रूप में देखा जाता था। उन्हें इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का विशेष विश्वासपात्र माना जाता था। यही कारण था कि 1980 के दशक में वे इंदिरा और राजीव दोनों की सरकारों में रक्षा मंत्री जैसे अहम पद पर रहे। उनकी राजनीतिक यात्रा यहीं नहीं रुकी। 1991 में उन्हें लोकसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई और वे 1991 से 1996 तक देश की 10वीं लोकसभा के स्पीकर रहे। इस दौरान उन्होंने सदन की मर्यादा और अनुशासन को बनाए रखने में सराहनीय भूमिका निभाई। शांत स्वभाव, गरिमामय व्यक्तित्व और संतुलित आचरण के लिए पाटिल को सभी दलों के नेता सम्मान देते थे। 2004 में कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए सरकार बनने के बाद शिवराज पाटिल को केंद्रीय गृह मंत्री बनाया गया। उन्होंने यह पद 2008 तक संभाला। गृह मंत्रालय में उनका कार्यकाल कई चुनौतियों भरा रहा, लेकिन उनका सबसे कठिन दौर 26/11 मुंबई आतंकी हमले के समय सामने आया। 26 नवंबर 2008 की रात मुंबई पर हुआ आतंकवादी हमला भारतीय सुरक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक माना जाता है। इस हमले में हुई सुरक्षा चूक के लिए शिवराज पाटिल को कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। मीडिया में उनके एक ही दिन में कई बार पोशाक बदलने की खबरें सामने आईं, जिसकी वजह से उन्हें लोगों के गुस्से और कटाक्ष का सामना करना पड़ा। हमले के बाद जब आलोचना तेज हुई, तो उन्होंने उच्च राजनीतिक नैतिकता का परिचय देते हुए गृह मंत्री पद से इस्तीफा देने की पेशकश की। पाटिल ने कहा था कि इतने बड़े राष्ट्रीय संकट के समय हुई चूक की नैतिक जिम्मेदारी वे स्वयं लेते हैं। उनके इस्तीफे को उस दौर में राजनीतिक जवाबदेही की मिसाल के रूप में देखा गया। शिवराज पाटिल का पूरा जीवन राजनीति और जनसेवा को समर्पित रहा। वे अनुशासनप्रिय, शांत और विचारशील नेता के रूप में जाने जाते थे। भारतीय राजनीति में उनकी छवि मर्यादा और सादगी की मिसाल रही है। 90 वर्ष की आयु में उनका जाना भारतीय राजनीति के एक महत्वपूर्ण अध्याय का अंत है।

इंदौर में 10 साल का ठंडा रिकॉर्ड टूटा:

-राजस्थान और उत्तराखंड में कड़कड़ाती सर्दी का प्रकोप

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड इस समय कड़ाके की सर्दी की चपेट में हैं। तापमान में तेज गिरावट के साथ कई शहरों में पिछले वर्षों के रिकॉर्ड टूट गए हैं। पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानों में शीतलहर ने आम जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में और अधिक ठंड बढ़ने की चेतावनी भी जारी की है।

इंदौर में टूटा 10 साल का रिकॉर्ड-
मध्य प्रदेश के इंदौर में इस साल की सर्दी ने पिछले एक दशक का रिकॉर्ड तोड़ दिया। गुरुवार रात यहां न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो बीते 10 वर्षों में सबसे कम है। इससे पहले दिसंबर 2015 में 7 डिग्री तापमान को दशक का न्यूनतम आंकड़ा माना जाता था। लगातार दो-तीन दिनों से इंदौर और आसपास के जिलों में तेज ठंड महसूस की जा रही है। सुबह-शाम की ठिठुरन इतनी बढ़ गई है कि लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। अस्पतालों में सर्दी-जुकाम व सांस संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तरी भारत से आने वाली बर्फीली हवाएँ प्रदेश के तापमान को एकदम नीचे खींच रही हैं। आने वाले 48 घंटों में तापमान और घटने की संभावना है, जिससे शीतलहर की स्थिति बन सकती है।

राजस्थान के 9 शहरों में पारा 10 डिग्री के नीचे-
मध्य प्रदेश की तरह राजस्थान भी इस बार कड़ी सर्दी झेल रहा है। गुरुवार को राज्य के 9 शहरों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। फतेहपुर (सीकर) में सबसे कम 4 डिग्री तापमान दर्ज हुआ, जो प्रदेश में इस सीजन का न्यूनतम है। नागौर में तापमान 5 डिग्री, सीकर में 5.5 डिग्री, लूणकरणसर में 5.6 डिग्री तक रिकॉर्ड किया गया। राजधानी जयपुर में भी ठंड का असर साफ नजर आया और तापमान 10.7 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा, जिससे यातायात पर असर पड़ा। कई जगहों पर विजिबिलिटी बहुत कम होने से वाहन चालकों को हेडलाइट और फॉग लाइट का सहारा लेना पड़ा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, राजस्थान में रात के तापमान में गिरावट का मुख्य कारण उत्तर और उत्तर-पश्चिम दिशा से आने वाली शुष्क व बर्फीली हवाएँ हैं। आने वाले दिनों में तापमान और गिर सकता है, खासकर सीकर, झुंझुनू, नागौर और गंगानगर जैसे जिलों में।

उत्तराखंड में नदी-नाले और झरने जम गए-
उत्तराखंड में पिछले कुछ दिनों से लगातार बर्फबारी हो रही है। इसके बाद ठंड इतनी बढ़ गई है कि कई इलाकों में नदी, नाले और प्राकृतिक झरने तक जम गए हैं। चमोली और पिथौरागढ़ जिलों में लोगों के घरों के पाइपों में पानी जमने की खबरें सामने आई हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

ऑस्ट्रेलिया में स्काई-डाइविंग हादसा:

-पैराशूटिस्ट विमान के विंग में फंसा, हवा में लटका

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में स्काई-डाइविंग के दौरान एक बेहद खतरनाक घटना हुई, जिसमें एक पैराशूटिस्ट विमान से कूदते समय अपने पैराशूट में फंस गया और 15,000 फीट की ऊँचाई पर हवा में लटक गया। यह हादसा नॉर्थ फ्री-फॉल क्लब की उड़ान के दौरान हुआ। घटना के अनुसार, जैसे ही पैराशूटिस्ट ने विमान से छलाँग लगाई, उसका इमरजेंसी पैराशूट अचानक खुल गया। लेकिन दुर्भाग्य से यह पैराशूट विमान के पिछले विंग में फंस गया। इससे विमान की स्पीड अचानक कम हो गई और पायलट को लगा कि विमान रुक गया है। इस समय विमान में कुल 13 पैराशूटिस्ट थे, जिन्होंने समय पर अपने-अपने कूदने का निर्णय लिया। फंसे हुए पैराशूटिस्ट ने स्थिति को गंभीर देखते हुए अपनी सभी 11 रस्सियां काट दीं और खुद को आज़ाद करने में सफल हुआ। इसके बाद उसने अपना मुख्य पैराशूट खोलकर सुरक्षित ढंग से लैंड किया। हालांकि, इस हादसे में पैराशूटिस्ट को केवल मामूली चोटें आईं। इस घटना के दौरान विमान में सवार अन्य लोग और पायलट भी काफी डरे हुए थे। पायलट ने तुरंत मेडे कॉल किया और विमान को सुरक्षित लैंड कराने की कोशिश शुरू की। पायलट को खुद विमान छोड़ने और कूदने की तैयारी करनी पड़ी, लेकिन अंततः थोड़ी मेहनत और सावधानी के बाद विमान सुरक्षित ढंग से जमीन पर उतर गया। ऑस्ट्रेलिया ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड (ATSB) ने इस घटना की पुष्टि की और बताया कि यह हादसा स्काई-डाइविंग के दौरान अत्यधिक सावधानी के बावजूद भी हो सकता है। बोर्ड ने कहा कि पैराशूट और एयरक्राफ्ट के बीच सही दूरी और नियंत्रण बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह घटना स्काई-डाइविंग के जोखिमों को सामने लाती है और यह दिखाती है कि प्रशिक्षित पैराशूटिस्ट और पायलट भी अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना कर सकते हैं। सौभाग्य से, इस हादसे में कोई जान नहीं गई और घायल पैराशूटिस्ट को मामूली चोटें आईं।

भारत ने कहा- ग्लोबल एयर क्वालिटी रैंकिंग ऑफिशियल नहीं, WHO केवल सलाह देती है

नई दिल्ली। भारत सरकार ने संसद में स्पष्ट किया है कि दुनिया भर में एयर क्वालिटी (हवा की गुणवत्ता) को लेकर जो रैंकिंग दी जाती है, वह किसी भी तरह से ऑफिशियल नहीं होती। यह जानकारी पर्यावरण राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा में दी। उन्होंने कहा कि WHO (वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन) की एयर क्वालिटी गाइडलाइंस केवल सुझाव हैं और किसी देश पर उनका पालन अनिवार्य नहीं है। हर देश अपनी भौगोलिक स्थिति, पर्यावरणीय परिस्थितियों और राष्ट्रीय जरूरतों के हिसाब से एयर क्वालिटी के मानक तय करता है। राज्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत सरकार किसी भी बाहरी रिपोर्ट या ग्लोबल इंडेक्स के आधार पर अपनी नीतियाँ नहीं बनाती। संसद में पर्यावरण मंत्रालय से भारत की वायु गुणवत्ता, पॉल्यूशन और वेदर मैनेजमेंट के क्षेत्र में गिरती रैंकिंग को लेकर सवाल किया गया था। इस पर मंत्री ने बताया कि भारत के पास अपनी राष्ट्रीय संस्था और मानक हैं, जो देश के लिए उपयुक्त और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से तैयार किए गए हैं। कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि WHO की गाइडलाइंस का उद्देश्य देशों को यह समझने में मदद करना है कि अपने देश की जियोग्राफी, पर्यावरणीय स्थिति, बैकग्राउंड लेवल और राष्ट्रीय हालात को ध्यान में रखते हुए वे अपने एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड कैसे निर्धारित करें। भारत ने इस दिशा में पहले ही कदम उठाते हुए नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स (NAAQS) का गठन किया है। यह संस्था 12 मानकों पर काम करती है, जिनमें पीएम2.5, पीएम10, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और ओजोन जैसी प्रदूषक तत्वों की निगरानी शामिल है। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी ग्लोबल अथॉरिटी देशों को आधिकारिक रूप से रैंक नहीं करती। हालांकि, भारत सरकार ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (NCAP) के तहत देश के 130 शहरों में हवा की गुणवत्ता सुधारने के लिए विशेष सर्वेक्षण चलाए हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शहरों में वायु प्रदूषण को कम करना और नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हर साल 7 सितंबर को मनाए जाने वाले नेशनल स्वच्छ वायु दिवस पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों को सम्मानित किया जाता है। इससे शहरों में हवा की गुणवत्ता सुधारने की जागरूकता बढ़ती है और स्थानीय प्रशासन अपनी योजनाओं को और प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित होता है। कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि भारत ने अपने राष्ट्रीय मानकों और कार्यक्रमों के माध्यम से हवा की गुणवत्ता को सुधारने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बाहरी रिपोर्ट और ग्लोबल रैंकिंग केवल सुझाव हैं और इन्हें देश की नीति निर्धारण में प्राथमिक आधार नहीं माना जाता। इस तरह भारत सरकार यह स्पष्ट कर रही है कि एयर क्वालिटी सुधारने के लिए देश के अपने वैज्ञानिक और स्थानीय दृष्टिकोण पर भरोसा किया जाता है। ग्लोबल इंडेक्स और रैंकिंग केवल मार्गदर्शन का काम करते हैं, लेकिन भारत अपनी जरूरत और परिस्थितियों के हिसाब से ही नीतियां तैयार करता है।

सैन फ्रांसिस्को में गैस विस्फोट: 4 मकान तबाह, 6 घायल

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। सैन फ्रांसिस्को में गुरुवार सुबह अश्लैंड इलाके में एक भयानक गैस विस्फोट हुआ, जिसने इलाके में भय और तबाही मचा दी। इस हादसे में चार मकान पूरी तरह तबाह हो गए और छह लोग घायल हुए। अधिकारियों के अनुसार यह दुर्घटना सड़क पर मरम्मत के दौरान हुई। सड़क चौड़ी करने और बाइक लेन बनाने के लिए इस्तेमाल की जा रही लेवलिंग मशीन गलती से जमीन के नीचे दबा हाई-प्रेशर गैस पाइपलाइन तोड़ बैठी, जिससे हादसा हुआ। पेसेफिक गैस कंपनी को सुबह 7:30 बजे इस रिसाव की सूचना मिली। हालांकि, गैस कई जगहों से रिस रही थी, इसलिए पूरी लाइन को बंद करने में दो घंटे का समय लग गया। गैस को बंद करने के ठीक दस मिनट बाद, लगभग 9:35 बजे, जोरदार धमाका हुआ। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास के घर हिल गए, दीवारों से सामान गिरा और धुआं और मलबा कई फीट ऊपर उड़ गया। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रशासन और आपातकालीन सेवाओं ने राहत कार्य शुरू कर दिया है। पुलिस और फायर ब्रिगेड ने प्रभावित इलाके को घेर लिया और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। स्थानीय प्रशासन ने कहा कि यह हादसा मानव त्रुटि और सावधानी की कमी के कारण हुआ। स्थानीय निवासी हादसे के बाद डर और चिंता में हैं। कई लोग अस्थायी रूप से अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर गए। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि इलाके में अभी गैस की पूरी जांच और मरम्मत नहीं हुई है, इसलिए लोग सावधानी बरतें। यह हादसा साफ-साफ दिखाता है।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव:

-हसीना की पार्टी बाहर, राजनीतिक माहौल तनावपूर्ण

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी 2026 को आम चुनाव होने जा रहे हैं। यह चुनाव देश में 5 अगस्त 2024 को हुए तख्तापलट के डेढ़ साल बाद हो रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिरउद्दीन ने गुरुवार शाम इस चुनाव की तारीख का ऐलान किया। तख्तापलट के समय पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ गई थीं। इसके बाद बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने शासन संभाला है। हालांकि, अगले चुनाव में हसीना की पार्टी अवामी लीग हिस्सा नहीं ले पाएगी। बांग्लादेश का चुनाव आयोग मई 2025 में अवामी लीग का पंजीकरण निलंबित कर चुका है। इसका मतलब है कि पार्टी आधिकारिक तौर पर चुनाव नहीं लड़ सकती और उसके नेताओं पर राजनीतिक गतिविधियों की रोक भी लगाई गई है। इस बीच, अंतरिम सरकार ने पार्टी के कई बड़े नेताओं को गिरफ्तार भी किया है। इस परिस्थिति में बांग्लादेश की राजनीतिक स्थिति बेहद जटिल नजर आ रही है। अवामी लीग, जो देश की सबसे बड़ी पार्टी रही है और कई दशकों से राजनीतिक परिदृश्य में प्रभाव रखती रही है, अब चुनाव में भाग लेने से वंचित है। इस कदम से विपक्षी राजनीतिक शक्ति कमजोर हो गई है और अंतरिम सरकार के लिए राजनीतिक नियंत्रण आसान हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि हसीना की पार्टी के चुनाव में भाग न ले पाने से देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है।

इंडिगो संकट: DGCA ने 4 फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर सस्पेंड, CEO से होगी पूछताछ

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में जारी संकट लगातार नया मोड़ ले रहा है। शुक्रवार को डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) ने इंडिगो के चार फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया। ये इंस्पेक्टर एयरलाइन की सुरक्षा और ऑपरेशनल नियमों की निगरानी के लिए जिम्मेदार थे। DGCA का यह कदम एयरलाइन में हाल के महीनों में देखे गए संकट के बीच उठाया गया है, जिसमें बड़े पैमाने पर फ्लाइट्स कैंसिल होना और यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। DGCA ने इस मामले में पहले ही इंडिगो के CEO पीटर एल्बर्स को नोटिस जारी किया था। शुक्रवार को DGCA की चार सदस्यों वाली कमेटी पीटर एल्बर्स से मुलाकात करेगी। इस बैठक में एयरलाइन द्वारा फ्लाइट्स के बड़े पैमाने पर कैंसिल होने और नियमों के पालन में चूक के बारे में विस्तार से पूछताछ की जाएगी। भारत में लो-कॉस्ट एयरलाइन के पायोनियर, कैप्टन गोपीनाथ ने इंडिगो संकट पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि एयरलाइन में संकट की जड़ शायद ओवर कॉन्फिडेंस और घमंड में छिपी हुई है। गोपीनाथ के अनुसार, एयरलाइन प्रबंधन हालात को सही तरीके से समझ नहीं पाया और इसी वजह से यह संकट पैदा हुआ।

गोपीनाथ ने इंडिगो के संकट के कारणों को कुछ मुख्य बिंदुओं में साझा किया-
फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL) नियमों में कमी: 1 नवंबर से लागू हुए FDTL नियमों के दूसरे चरण को लागू करने में एयरलाइन ने सही योजना नहीं बनाई। इस कमी के कारण ही 2 दिसंबर से फ्लाइट्स के बड़े पैमाने पर रद्द होने का संकट सामने आया। नए नियमों के तहत पायलटों की फ्लाइट्स ऑपरेट करने की सीमा तय है। पायलट और स्टाफ की कमी: नए नियमों के लागू होने के बावजूद इंडिगो के पास पर्याप्त संख्या में पायलट उपलब्ध नहीं थे। इस कमी ने फ्लाइट्स संचालन में बाधा डाली। बॉटम लाइन और शेयर मार्केट पर अधिक ध्यान: गोपीनाथ ने कहा कि जब एयरलाइन प्रबंधन अधिक ध्यान रेवेन्यू, प्रॉफिट और शेयर मार्केट पर देता है, तो कर्मचारियों की समस्याओं और सुरक्षा पहलुओं को नजरअंदाज कर देता है। परिणामस्वरूप, कर्मचारियों की चेतावनियों और सुझावों पर ध्यान नहीं दिया गया।

फ्लाइट्स की संख्या का पूर्व निर्धारण-
अगर इंडिगो ने टिकट बेचने से पहले फ्लाइट्स की संख्या का सही आंकलन किया होता, तो यात्रियों को इतनी असुविधा नहीं होती। उन्होंने यह भी बताया कि एयरलाइन को अपनी योजना में वास्तविक क्षमता और संसाधनों के हिसाब से ही टिकट बेचना चाहिए था। DGCA की स्वतंत्रता पर जोर: गोपीनाथ ने कहा कि DGCA को पूरी तरह से एक स्वतंत्र रेगुलेटर होना चाहिए। इसमें कोई भाई-भतीजावाद, राजनीतिक दबाव या अन्य बाहरी असर नहीं होना चाहिए।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886